वर्ष-08 |अंक-279| पृष्ठ 08| मूल्य 02/-

दैनिक

कालप्रिया

सच वही जो दिखे...

RNI-MPHIN/2018/75526

भोपाल, गुरूवार

16 जुलाई 2026

Email.kalpriyanews72@gmail.com

आषाढ़ शुक्ल पक्ष-2, विक्रम संवत् 2083

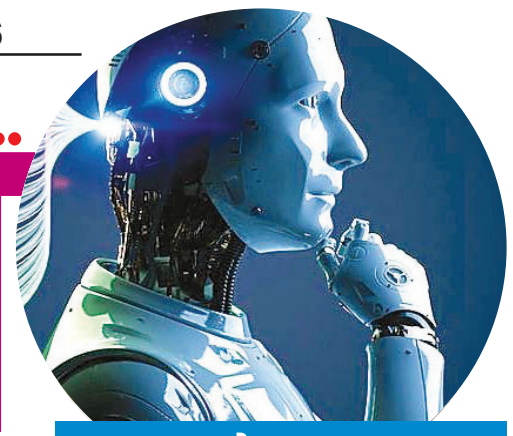

पेज-6

भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट का डेटा लीक

दावा- हैकर्स ने कंट्रोल रूम का लेआउट, ब्लूप्रिंट, सप्लायर्स की जानकारी सार्वजनिक की

चेन्नई। भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट कुडनकुलम से जुड़े हजारों दस्तावेज लीक हो गए हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, हैकर्स ग्रुप 'वर्ल्ड लीक्स' ने डार्क वेब पर इन दस्तावेजों को अपलोड करने का दावा किया है। इनमें पॉवर प्लांट के कुछ हिस्सों के ब्लूप्रिंट, सप्लायर्स की

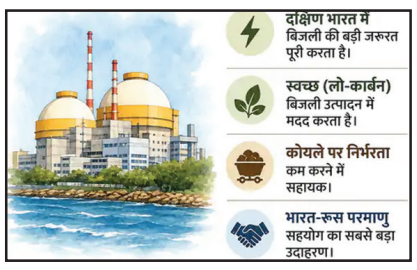

जानकारी, कंट्रोल रूम और अन्य रिकॉर्ड सार्वजनिक किए गए।सर्वर में सेंध मई में हुई थी, जून में दस्तावेज लीक का दावा किया गया। इसकी जानकारी अब सामने आई है। तमिलनाडु के कुडनकुलम प्रोजेक्ट के पार्टनर अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप ने माना है कि थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर कंपनी 'योट्टा' के सर्वर पर सेंध मारी गई थी। इस घटना की जानकारी सरकार को दे दी गई है। हालांकि, कंपनी ने यह नहीं बताया कि कौन-सा डेटा लीक हुआ। न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड रिलायंस के साथ मिलकर मामले की समीक्षा कर रहा है।

धीरेंद्र शास्त्री का भाई शालिगराम गिरफ्तार

जमीन विवाद में युवक को गोली मारने का आरोप; 4 आरोपियों में से दो पकड़े गए

छतरपुर। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री के भाई शालिगराम गर्ग और उसके एक साथी को छतरपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शालिगराम समेत 4 लोगों पर जमीन विवाद में मोतीलाल कुशवाहा नाम के युवक को गोली मारने का आरोप है। मामला राजनगर में गौशाला के पीछे की जमीन के विवाद से जुड़ा है। पुलिस ने शालिगराम और अंकित मिश्रा को बुधवार शाम को गिरफ्तार किया है जबकि दो आरोपी अब भी फरार हैं। घायल मोतीलाल कुशवाहा राजनगर थाना इलाके के कोड़ा गांव का रहने वाला है। उसे मंगलवार को गोली लगने के

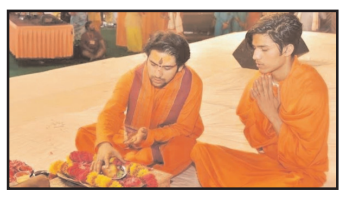

बाद गंभीर हालत में छतरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मोतीलाल ने पुलिस को बताया था- शालिगराम गर्ग मेरी जमीन छीनना चाहते हैं।

महिला की जबरन छाती दबाना, सलवार उतारना रेप की कोशिश नही

पटना हाईकोर्ट ने आरोपी को बरी किया; सीजेआई नाराज, कहा- जज रिसर्च करें, गाइडलाइन पढ़ें

पटना। सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के उस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई, जिसमें हाईकोर्ट ने कहा था कि बंद कमरे में जबरदस्ती महिला का सीना दबाना, सलवार उतारने की कोशिश

करना रेप की कोशिश नहीं है। हाईकोर्ट ने 9 जुलाई को यह आदेश दिया और आरोपी को बरी कर दिया। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस सूर्यकांत ने इस पर हैरानी जताई। उन्होंने कहा-जजों को संवेदनशील होना चाहिए और रिसर्च करनी चाहिए। जज कानूनी पड़ताल के बिना फैसले दिए जा रहे हैं। हम पटना हाईकोर्ट के फैसले की विस्तार से समीक्षा करके विस्तृत आदेश जारी करेंगे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट 14 जुलाई को इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश पर सुनवाई कर रहा था.

मुख्यमंत्री ने बच्चों से संवाद कर जानी आंगनवाड़ी संचालन की गतिविधियां

आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के सुर्वांगीण विकास की प्रथम पाठशाला:मोहन यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के सर्वांगीण विकास की प्रथम पाठशाला है। सरकार द्वारा छोटे बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों पर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सीएसआर फंड से बनाए गए सदावल में स्थित इस आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किये गये है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा निरंतर इस दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। आंगनवाड़ी केंद्रों का नियमित रूप से विकास किया जा रहा है, जिससे निरंतर उनकी दशा में सकारात्मक परिवर्तन आ रहे हैं।

भगवान जगन्नाथ का उज्जैन से प्राचीन संबंध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान जगन्नाथ का उज्जैन से हजारों साल पुराना संबंध रहा है। उज्जैन के राजा इंद्रसेन ने वर्तमान ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में बाबा जगन्नाथ का भव्य मंदिर बनवाया था। यहां पर गोपाल कृष्ण, भगवान बलराम और बहन सुभद्रा की प्रतिमाएं प्रतिष्ठापित हैं। सनातन संस्कृति के 4 धामों में ओडिशा का जगन्नाथपुरी तीर्थस्थल भी विशेष महत्व रखता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि पूर्व निर्धारित नई दिल्ली प्रवास के कारण उज्जैन की जगन्नाथ रथ यात्रा के आयोजन में वे गुरुवार को शामिल नहीं हो पाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बच्चों को झूला झुलाया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र में लगे झूलों पर बच्चों को झुलाया। आंगनवाड़ी केंद्र पर बच्चों ने नमस्ते सर कहकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिवादन कर गुलाब का फूल भेंट कर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छोटे-छोटे बच्चों को दुलार करते हुए सभी को लड्डू के पैकेट, पोषण आहार के रूप में चना और मूंगफली के पैकेट वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंच से लाडली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को आश्वासन प्रमाण-पत्र एवं मातृ-वंदना योजना की पात्र महिलाओं को हितलाभ वितरित किए।

▶ मध्यप्रदेश में यूसीसी ड्राफ्ट में लिव इन रिलेशनशिप को लेकर सख्त प्रावधान प्रस्तावित

बिना रजिस्ट्रेशन 'लिव इन' में रहने पर 3 माह की जेल, रिश्ते तोड़ने पर मेंटेनेंस का प्रावधान

रजिस्ट्रेशन होने के बाद अब महिला-पुरुष के माता-पिता को भी दी जाएगी लिव इन रिलेशनशिप की जानकारी

भोपाल (एजेंसी)

जुलाई का महीना बीतने के साथ प्रदेश में लिव इन रिलेशनशिप को लेकर सख्त नियम लागू हो जाएंगे। इसके बाद लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाले महिला और पुरुषों को अनिवार्य रूप से पंजीयन (रजिस्ट्रेशन) कराना होगा। यदि कोई पुरुष और महिला बिना रजिस्ट्रेशन कराए लिव इन रिलेशनशिप में रहते हैं, तो इसे अपराध की श्रेणी में माना जाएगा। ऐसे मामलों में तीन महीने की जेल की सजा हो सकती है।

- संबंध समाप्त करने के लिए संबंधित रजिस्ट्रार के समक्ष देना होगा आवेदन
- विधानसभा के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा यूसीसी विधेयक

दरअसल, मप्र में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का ड्राफ्ट तैयार करने वाली उच्च स्तरीय समिति ने अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को सौंप दी है। यूसीसी के ड्राफ्ट में लिव इन रिलेशनशिप को लेकर कई महत्वपूर्ण और सख्त प्रावधान प्रस्तावित किए गए हैं। इसका उद्देश्य ऐसे संबंधों को कानूनी दायरे में लाना, दोनों पक्षों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और भविष्य में होने वाले विवादों को कम करना है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक यूसीसी ड्राफ्ट में प्रावधान किया गया है कि लिव इन रिलेशन में रहने वाले महिला-पुरुष को जिले के रजिस्ट्रार कार्यालय में रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन देना होगा। रजिस्ट्रेशन होने के बाद रजिस्ट्रार की ओर से संबंधित महिला और पुरुष के माता-पिता को इस संबंध में जानकारी दी जाएगी। मध्य प्रदेश में रहने वाले अन्य किसी राज्य के महिला और पुरुष को भी लिव इन रिलेशन का रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। ड्राफ्ट में यह भी प्रावधान किया गया है कि यदि लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे दोनों पक्ष भविष्य में अलग होना चाहते हैं, तो उन्हें सीधे अलग होने की बजाय संबंध समाप्त करने के लिए संबंधित रजिस्ट्रार के समक्ष आवेदन देना होगा। रजिस्ट्रार के रिकॉर्ड में संबंध समाप्त होने की जानकारी दर्ज की जाएगी, जिससे भविष्य में किसी प्रकार के कानूनी विवाद की स्थिति में स्पष्ट रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा।

आपसी सहमति से लिव इन रिलेशनशिप तोड़ने पर मेंटेनेंस की बाध्यता नहीं

समिति ने लिव इन रिलेशनशिप में आर्थिक दायित्वों को लेकर भी विशेष प्रावधान सुझाए हैं। ड्राफ्ट के अनुसार यदि दोनों पक्ष आपसी सहमति से लिव इन रिलेशनशिप समाप्त करते हैं, तो अलग होने की स्थिति में मेंटेनेंस देने की बाध्यता नहीं होगी, लेकिन यदि असहमति से संबंध टूटता है और कोई पक्ष मेंटेनेंस देने का दावा करता है, तो इस स्थिति में मेंटेनेंस देने का प्रावधान ड्राफ्ट में किया गया है। मेंटेनेंस कौन देगा, यह संबधित महिला और पुरुष की आर्थिक स्थिति और अन्य पहलुओं को देखकर कोर्ट तय करेगा। समिति का मानना है कि लिव इन रिलेशनशिप को कानूनी पहचान मिलने से महिलाओं खासकर कॉलेज की छात्राओं का शोषण रोकने में भी मदद मिलेगी।

संबंध टूटने पर अब रेप का झूठा केस दर्ज नहीं करा पाएंगी महिलाएं...

अधिकारियों का कहना है कि सामान्यतः कई मामलों में लिव इन रिलेशनशिप समाप्त होने के बाद महिलाएं पुरुषों पर दुष्कर्म के आरोप लगाकर कानूनी कार्रवाई करती हैं। उनका तर्क है कि यदि लिव इन रिलेशनशिप का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा, तो दोनों पक्षों के बीच सहमति से बने रिश्ते का आधिकारिक रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा। ऐसे में रिश्ता टूटने के बाद केवल संबंध समाप्त होने के आधार पर दुष्कर्म का आरोप लगाने की संभावना कम होगी। अधिकारियों के अनुसार रजिस्ट्रेशन से संबंधों में पारदर्शिता बढ़ेगी, विवादों की स्थिति में तथ्य स्पष्ट होंगे और जांच एजेंसियों को भी मामलों की निष्पक्ष जांच करने में सुविधा मिलेगी। यूसीसी विधेयक को मप्र विधानसभा के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा। विधेयक पारित होने के बाद कानून लागू होगा। विधानसभा का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा। आदिवासियों को यूसीसी विधेयक से बाहर रखा गया है।

रामंदिर ट्रस्ट कोषाध्यक्ष बोले-

चढ़ावे से 3 रूपये करोड़ चोरी हुए

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरि ने कहा- जहां तक मेरा अनुमान है करीब 3 करोड़ रुपए की चोरी हुई होगी। 14 करोड़ रुपए के सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी होने की बात गलत है। गोविंदेव गिरि ने पुणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने इस्तीफे की खबरों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- मैंने कोई इस्तीफा नहीं दिया है। इधर, अयोध्या विकास प्राधिकरण ने चढ़ावा चोरी के आरोपी लवकुश मिश्रा के निर्माणाधीन मकान पर अंतिम नोटिस चस्पा कर दिया है। इससे पहले 3 जुलाई को नोटिस दी थी, लेकिन लवकुश की पत्नी सुप्रिया मिश्रा ने कोई जवाब नहीं दिया। अब प्राधिकरण ने 15 जुलाई तक का अंतिम अवसर दिया है। एडीए ने चेतावनी दी है कि अगर जवाब नहीं मिला तो निर्माणाधीन मकान को सील कर दिया जाएगा।

भारत पर 100 फीसदी टैरिफ लगा सकता है अमेरिका

रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर कार्रवाई की तैयारी

संसद में बिल पेश, 5 देश निशाने पर

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंधों से जुड़ा एक संशोधित बिल पेश किया गया है। इसमें रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100त्न तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। बिल के मुताबिक भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है। यह बिल रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों पार्टियों के समर्थन से लाया जा रहा है। इसका मकसद रूस की तेल से होने वाली कमाई को कम करना है, ताकि उसकी युद्ध लड़ने की क्षमता कमजोर हो सके। इसके तहत रूस के अधिकारियों, शैडो टैंकर बेड़े, केंद्रीय बैंक और सरकारी ऊर्जा परियोजनाओं पर भी प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है।

भारत ने पिछले महीने आधे से ज्यादा तेल रूस से खरीदा

भारत ने जून 2026 में रूस से रिकॉर्ड 26.1 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदा, जो देश के कुल तेल आयात का 52.4 था। यानी पिछले महीने भारत में आयात होने वाले हर दो बैरल तेल में एक से ज्यादा बैरल रूस से आया। मई के मुकाबले जून में रूस से तेल आयात में करीब 39 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। रूस से प्राकृतिक गैस खरीदने वाले चीन, फ्रांस, जापान, हंगरी और बेल्जियम को भी इसके दायरे में रखा गया है।

बदले जा सकते हैं कानून

2029 में एक साथ होंगे लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव

लखनऊ, एजेंसी

एक देश-एक चुनाव संबंधी विधेयकों पर गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष और भाजपा सांसद पीपी चौधरी ने कहा कि देश में वर्ष 2029 में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होंगे। देश में बार-बार चुनाव लोकतंत्र के खिलाफ है। सिविल सोसाइटी (नागरिक) लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के पक्ष में हैं। पीपी चौधरी की अगुवाई में जेपीसी तीन दिवसीय दौरे पर सोमवार को लखनऊ पर पहुंची थी। जेपीसी अध्यक्ष ने होटल ताज में अमर उजाला के साथ खास बातचीत में कहा कि हम देश में जहां भी जा रहे हैं, आम जनता एक देश-एक चुनाव का समर्थन कर रही है। लोकतंत्र की असली हितधारक (स्टेकहोल्डर) जनता ही है। उन्होंने कहा कि 1952 से 1967 तक चार चुनाव एक साथ हुए थे।

हमारी तैयारी पूरी

पीपी चौधरी ने कहा कि इस कानून को लागू करने की हमारी पूरी तैयारी है। यह पूछे जाने पर कि यूपी सरीखे जिन राज्यों में विधानसभा का कार्यकाल बचा होगा, वहां विरोध हो सकता है, उनका जवाब था कि जिन राज्यों में भाजपा की सरकारें होंगी, वहां की सरकारें स्वयं ही विधानसभा भंग कर लोकसभा के साथ चुनाव कराने का प्रस्ताव अपने-अपने राज्यपालों को दे सकती हैं।

नई पहल | हफ्ते में दो दिन 20 मिनट की क्लास का प्रस्ताव, 26 सदस्यीय पैनल ने तैयार की रिपोर्ट

प्राइमरी स्कूल से बच्चों को मिलेगी सेक्स एजुकेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत में स्कूलों के पाठ्यक्रम में कॉम्प्रिहेंसिव सेक्स एजुकेशन शामिल करने की तैयारी शुरू हो गई है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि वह विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर स्कूलों और कॉलेजों में इसे लागू करने के लिए तैयार है।

कोर्ट की मंजूरी के बाद इसे देशभर में लागू किया जाएगा। इसका उद्देश्य बच्चों और किशोरों को उनकी उम्र के अनुसार वैज्ञानिक, सुरक्षित और सही जानकारी देना है। प्रस्तावित पाठ्यक्रम में शरीर में होने वाले बदलाव, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, सहमति, सुरक्षित व्यवहार, व्यक्तिगत सीमाएं और बाल यौन शोषण से बचाव जैसे विषय शामिल किए जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ को बताया कि सरकार ने विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट स्वीकार कर ली है और इसे देशभर में लागू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

पॉक्सो मामलों को लेकर सरकार ने जताई चिंता

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने किशोरों से जुड़े पॉक्सो मामलों पर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि कई मामलों में 16 से 18 वर्ष के किशोर आपसी सहमति से संबंध बनाकर घर छोड़ देते हैं। इसके बाद कई बार माता-पिता सामाजिक दबाव या कथित सम्मान के कारण पॉक्सो कानून के तहत मामले दर्ज करा देते हैं, जिससे बच्चों का भविष्य प्रभावित होता है। इसी तरह के मामलों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने किशोरों की निजता, सहमति और पॉक्सो कानून से जुड़े मुद्दों की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ पैनल बनाया था।

26 सदस्यीय पैनल ने तैयार की रिपोर्ट

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के एडिशनल सेक्रेटरी की अध्यक्षता में गठित 26 सदस्यीय पैनल ने विस्तृत चर्चा के बाद अपनी रिपोर्ट तैयार की। इसमें किशोरों को उम्र के अनुरूप जानकारी देने और सुरक्षित वातावरण तैयार करने पर जोर दिया गया है।

यूपी गवर्नर बोलीं- 13 साल की बेटियों का रखें खास ध्यान

लखनऊ, आरएनएन। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को कहा कि 13 साल की बेटियों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इसी उम्र में उनमें शारीरिक बदलाव शुरू होते हैं और पीरियड्स (मासिक धर्म) की शुरुआत होती है। उन्होंने कहा कि इस उम्र की बच्चियों की नियमित जांच होनी चाहिए और उन्हें समय पर इलाज व सही जानकारी मिलनी चाहिए। राज्यपाल लखनऊ स्थित संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के 30वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा, मैं कुछ कहती हूं तो वह वायरल हो जाता है, लेकिन मेरा उद्देश्य किसी को ठेस पहुंचाना नहीं, बल्कि युवाओं को बेहतर बनाना है। उन्होंने युवाओं में आकर्षण और रिश्तों को लेकर कहा कि कम उम्र में एक-दूसरे के प्रति भावनाएं पैदा होना स्वाभाविक है। कई बार एक-दो साल के रिश्ते के बाद मामला सामने आता है और इसकी जिम्मेदारी सरकार पर डाल दी जाती है। राज्यपाल ने शिक्षकों से भी अपील की कि वे विद्यार्थियों पर नजर रखें और समझें कि कक्षा में बच्चों के बीच किस तरह की गतिविधियां चल रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि दो लोगों के बीच सच्चा प्रेम है तो वे यह तय कर सकते हैं कि पढ़ाई पूरी होने तक शादी नहीं करेंगे।

इसी उम्र में शुरू होते हैं पीरियड्स, पढ़ाई पूरी होने तक शादी से बचें

शहर में निकलने वाली श्री जगन्नाथ रथ यात्रा श्रद्धा, सेवा और भक्ति का अनुपम उदाहरण बनेगी

- 25 जुलाई को निकलेगी रथ यात्रा की तैयारियों को लेकर बनी रूपरेखा
- रथ यात्रा की व्यवस्थाओं, सेवा कार्यों एवं विभिन्न समितियों की जिम्मेदारियों पर हुआ मंथन

नगर संवाददाता, सतना।

भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य एवं दिव्य रथ यात्रा के सफल आयोजन को लेकर रामाकृष्ण कॉलेज में एक महत्वपूर्ण तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में रथ यात्रा से जुड़े पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान करने के लिए विस्तृत चर्चा की। बैठक में आगामी 25 जुलाई को आयोजित होने वाली भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा की संपूर्ण रूपरेखा प्रस्तुत की गई। रथ यात्रा के निर्धारित मार्ग, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, आकर्षक सजावट, स्वागत द्वार, पुष्प वर्षा, प्रसाद वितरण, पेयजल व्यवस्था, चिकित्सा सहायता, सफाई, स्वयंसेवकों की तैनाती तथा विभिन्न सेवा कार्यों को लेकर अलग-अलग समितियों का गठन एवं जिम्मेदारियों का निर्धारण किया गया।

जिले के श्रद्धालुओं समूह में आने की अपील

बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने अपने-अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संकल्प लिया तथा समयबद्ध तैयारियों को पूर्ण करने पर सहमति व्यक्त की। आयोजकों ने जिले के सभी श्रद्धालुओं, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, व्यापारिक संस्थाओं, युवा मंडलों, महिला समूहों तथा नागरिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में रथ यात्रा में सहभागी बनें और तन, मन से सहयोग देकर भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा को भव्य, दिव्य और ऐतिहासिक बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनसहयोग और सामूहिक प्रयासों से इस वर्ष की रथ यात्रा श्रद्धा, सेवा और भक्ति का अनुपम उदाहरण बनेगी। इस दौरान इस्कॉन मंदिर के प्रभारी भागवत दास जी शम्मी पुरी संजय बड़ेरिया संजय गुप्ता बजरंग मनोज दुबे अकेला श्याम लाल गुप्ता श्यामू सहित उपस्थित रहे।

यात्रा को धार्मिक आस्था का दिया जाएगा भव्य स्वरूप

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि रथ यात्रा को धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक गरिमा एवं सामाजिक सहभागिता का भव्य स्वरूप दिया जाएगा। यात्रा मार्ग को आकर्षक ढंग से सजाने, श्रद्धालुओं के स्वागत की विशेष व्यवस्था करने तथा अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। इस्कॉन मन्दिर प्रभारी भागवत दास जी ने कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, सेवा, संस्कृति और सनातन परंपरा का महापर्व है। इस आयोजन में समाज के सभी वर्गों की सहभागिता इसे और अधिक भव्य एवं प्रेरणादायी बनाएगी।

डिप्टी डायरेक्टर दीपमाला तिवारी बनीं जॉइंट डायरेक्टर, मध्यप्रदेश शासन ने दी पदोन्नति

सतना। मध्यप्रदेश शासन ने खनिज विभाग में पदस्थ अधिकारियों की पदोन्नति सूची जारी करते हुए रीवा में पदस्थ डिप्टी डायरेक्टर दीपमाला तिवारी को जॉइंट डायरेक्टर के पद पर पदोन्नत किया है। शासन के इस निर्णय के बाद विभागीय अधिकारियों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

दीपमाला तिवारी इससे पहले सतना जिले में जिला खनिज अधिकारी के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। सतना में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने खनिज संसाधनों के प्रबंधन, विभागीय कार्यों के प्रभावी संचालन तथा प्रशासनिक दक्षता के लिए अपनी अलग पहचान बनाई थी। वर्तमान में वे रीवा में डिप्टी डायरेक्टर के पद पर कार्यरत थीं। उनकी प्रशासनिक क्षमता, विभागीय अनुभव और कार्यकुशलता को देखते हुए मध्यप्रदेश शासन ने उन्हें जॉइंट डायरेक्टर के पद पर पदोन्नत किया है।

संक्षिप्त समाचार

'राहवीर योजना' बनी जिंदगी बचाने का संकल्प

सतना। सड़क पर किसी घायल की तड़पती जिंदगी को बचाने के लिए बढ़ाया गया एक हाथ अब केवल इंसानियत की मिसाल ही नहीं बनेगा, बल्कि शासन द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा। सड़क दुर्घटनाओं में समय पर उपचार उपलब्ध कराने और आमजन को निसंकोच मदद के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से लागू की गई 'राहवीर योजना' मानवता और संवेदनशीलता की नई पहचान बनकर उभर रही है। योजना के तहत यदि कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल पीड़ित को दुर्घटना के बाद 'गोल्डन ऑवर' यानी पहले एक घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने में मदद करता है, तो उसे शासन द्वारा 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। दरअसल, कई बार सड़क हादसों में घायल लोग केवल इसलिए समय पर इलाज नहीं पा पाते क्योंकि राहगीर पुलिस कार्रवाई, पूछताछ या कोर्ट-कचहरी के झंझट के डर से मदद करने से बचते हैं। लेकिन अब शासन ने साफ कर दिया है कि घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को पुलिस द्वारा किसी प्रकार की अनावश्यक पूछताछ या परेशान नहीं किया जाएगा। यही वजह है कि 'राहवीर योजना' लोगों में भरोसा और संवेदनशीलता दोनों बढ़ा रही है।

[समस्या] वाहन में ईंधन भरवाने में डेंसिटी नहीं देख रहे उपभोक्ता, सिर्फ शून्य में रहता है फोकस

सीएम हेल्प लाइन में पहुंच चुकी हैं एक दर्जन शिकायतें, पेट्रोल पंपों की जांच भी ठंडे बस्ते में

नगर संवाददाता, सतना।

जब आप किसी पेट्रोल पंप पर अपनी गाड़ी में वाहन ईंधन (डीजल-पेट्रोल) भरवाते हैं तो फ्यूल अटेंडेंट आपको तत्काल सतर्क करता है कि जीरो देखें.... प्राय- आपका ध्यान मीटर के जीरो पर होता है, मगर कम मात्रा में डीजल-पेट्रोल मिलने का खतरा आपकी महज इतनी सी सतर्कता से खत्म नहीं होता है। वाहन में ईंधन भरवाते समय जीरो (शून्य) के साथ-साथ पंप के मीटर पर डिसप्ले (प्रदर्शित) होने वाली डेंसिटी (घनत्व) की स्थिति भी देखनी चाहिए। नापतौल विभाग के जानकारों की माने तो पेट्रोल की डेसिटी 700 से 750 किलोग्राम प्रति घन मीटर और डीजल की डेंसिटी 800 से 850 किलोग्राम प्रति घन मीटर होनी चाहिए। डीजल-पेट्रोल में मिलावट और कम मात्रा की शिकायतें तो आम हैं, मगर इस मामले में जनजागरूकता का अभाव है। अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इन मामलों में साल भर में सीएम हेल्प लाइन से एक दर्जन शिकायतें मिली हैं। बताया जाता है कि ज्यादातर शिकायतें कम नाप की रहती हैं।

125 पंप का संचालन

बताया जाता है कि सतना-मैहर जिले में मौजूदा समय में 125 पेट्रोल पंप संचालित हैं। इन पंपों में प्रतिदिन औसतन 3 करोड़ 68 लाख का कारोबार होता है। रोजाना 2 करोड़ 33 लाख का डीजल और 1 करोड़ 35 लाख रुपए मूल्य का पेट्रोल बिकता है। प्रतिदिन पेट्रोल की खपत तकरीबन सवा लाख लीटर और डीजल की मांग ढाई लाख लीटर होती है। ऐसा अनुमान लगाया जाता है।

मगर इसमें सलाह नहीं

पंप पर फ्यूल अटेंडेंट जोरो पर ध्यान देने को कहता है। मगर वह डेंसिटी पर नजर रखने की सलाह नहीं देता है। इस प्वाइंट पर भी ध्यान देने की जरूरत होती है। अन्यथा चोरी का चांस होता है। नोजल से तय मात्रा से कम डीजल-पेट्रोल की निकासी की आम शिकायतों से साफ है कि इस तरकीब से भी चोरी होती है। मीटर में टेंपरिंग कर जंपिंग की शिकायतें भी चोरी की श्रेणी में आती हैं। आम धारणा है कि राउंड फिगर जैसे 500 रुपए या फिर 1000 हजार रुपए का ईंधन लेने पर भी चोरी के लिए टेक्निकल सेटिंग आसानी से कर ली जाती है।

नियमों के तहत नाप-तौल विभाग को साल में एक बार सभी पंपों की जांच करना अनिवार्य रहता है लेकिन कई बार यह नियम बेमानी साबित होता है। सूत्रों की माने तो एक अनुमान के अनुसार जिले के 40 फीसदी पंपों में प्रति 5 लीटर डीजल-पेट्रोल पर नोजल में औसतन 5 से 10 एमएल की कमी आम होती है।

दावे अलग फिर भी चोरी की आशंका

बताया जाता है किकम मात्रा में डीजल-पेट्रोल की आपूर्ति संभव है। इंजेक्टर सिस्टम लागू होने के बाद वाहन ईंधन में मिलावट की बदमाशों तकरीबन पूरी तरह से खत्म हो चुकी है। दावा यह भी है कि अब बीएस-4 और बीएस-6 वर्जन के वाहन बाजार में हैं जो इन्जेक्टर तकनीक से लैस हैं। मिलावटी डीजल-पेट्रोल की स्थिति को ये इंजन बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं। तकनीकी खराबी आते ही मिलावटखोरी पकड़ में आ जाती है। बताया गया है कि पहले डीजल में केरोसिन (मिट्टी का तेल) की मिलावट होती थी। मगर, अब यह सहजता से उपलब्ध नहीं है।

मोदी सरकार ने 12 वर्षों में विकास और सामाजिक न्याय की मजबूत नींव रखी : गणेश सिंह

नगर संवाददाता, सतना।

सतना सांसद गणेश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल में देश ने विकास, सुशासन और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने केवल योजनाएं बनाने तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि देश के विकास की मजबूत बुनियाद तैयार की है, जिसका लाभ आने वाले वर्षों में और व्यापक रूप से दिखाई देगा। मैहर में आयोजित पिछड़ा वर्ग सम्मेलन को संबोधित करते हुए सांसद गणेश सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछड़े वर्गों के अधिकारों को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक फैसले लिए हैं।

पिछड़े वर्ग के लोगों के जीवन में सुधार

सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, जल जीवन मिशन और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गरीब, वंचित और पिछड़े वर्ग के लोगों के जीवन स्तर में व्यापक सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना और परिवार आधारित आंकड़ों के माध्यम से सरकार जरूरतमंद वर्गों तक योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की दिशा में काम कर रही है।

प्रदेशाध्यक्ष पाटीदार को सराहा

गणेश सिंह ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि मजबूत आधार और दूरदर्शी नीतियों के कारण देश का भविष्य और अधिक उज्ज्वल होगा तथा सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के प्रयास भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। इस दौरान सांसद ने भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष पाटीदार की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि वे पार्टी के पुराने, समर्पित और मेहनती कार्यकर्ता हैं।

सांसद ने ईई को लगाई फटकार, तिघरा मोड़ पर सड़क के गड्ढे भरने के निर्देश

नगर संवाददाता, सतना।

सांसद गणेश सिंह ने मंगलवार को क्षेत्र की सडक़ों का निरीक्षण किया। इस दौरान तिघरा मोड़ के पास नेशनल हाईवे को जोडऩे वाली सडक़ की बदहाल स्थिति देखकर उन्होंने नाराजगी जताई। सडक़ पर बने बड़े-बड़े गड्ढों को देखकर सांसद ने मौके पर ही लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री को तलब कर तत्काल मरम्मत के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सांसद ने अधिकारियों से कहा कि बरसात के मौसम में गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई दिखाई नहीं देती।

ऐसे में दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों के लिए यह सडक़ बेहद खतरनाक हो जाती है और कभी भी बड़ा सडक़ हादसा हो सकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की जनहानि होने से पहले विभाग को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। सांसद ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सडक़ पर बने सभी गड्ढों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द भरवाया जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित आवागमन मिल सके। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बरसात के दौरान सडक़ रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और कार्य की नियमित निगरानी भी की जाए। मौके पर पहुंचे लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री ने सांसद को आश्वस्त किया कि सडक़ की मरम्मत का कार्य तत्काल शुरू कराया जाएगा।

संगीत शिक्षक आकाश बनर्जी सम्मानित

नगर संवाददाता, सतना।

संगीत शिक्षा के माध्यम से बच्चों में सांस्कृतिक संस्कार और रचनात्मकता विकसित करने के लिए सतना के संगीत शिक्षक आकाश बनर्जी को सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षक गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया। डिजिटल भारत एवं टेक्प्रेशन इवेंट मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में शहीद स्मारक ऑडिटोरियम जबलपुर में आयोजित गौरवपूर्ण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा स्मृति चिह्न शॉल श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर देश भर से आए विभिन्न विधाओं के शिक्षकों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्मार्ट टीचिंग कम्युनिकेशन स्किल्स मॉडर्न टेक्निक्स एवं टेक्नोलॉजी आधारित व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया गया। यह समारोह सम्मान के साथ ही शिक्षकों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम में सम्मानित शिक्षकों को विशेषज्ञों के साथ संवाद एवं अनुभव साझा करने का भी अवसर दिया गया। श्री बनर्जी ने अपनी यह उपलब्धि अपने दादाजी देहदानी असीम बनर्जी को समर्पित की।

ओबीसी महासभा के रामपुर बाघेलान विस अध्यक्ष अनुराग ने दिया इस्तीफा

सतना। अकौना पंचायत में कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार आवाज उठा रहे आकौना निवासी एवं ओबीसी महासभा के रामपुर बघेलान विधानसभा अध्यक्ष अनुराग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए संगठन के विधानसभा अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे रहे हैं, लेकिन संगठन के एक समर्पित कार्यकर्ता के रूप में उनका साथ और संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। अनुराग, जो आकौना ग्राम पंचायत की सरपंच के पति भी हैं, पिछले कुछ समय से पंचायत में कथित भ्रष्टाचार को लेकर सचिव, रोजगार सहायक और उपयंत्री के खिलाफ शिकायतें कर रहे हैं। उनका आरोप है कि जांच में अनियमितताएं सामने आने और दोषी पाए जाने के बावजूद संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, जिससे वे आहत हैं।

मैहर के थाना प्रभारी अनिमेष द्विवेदी बने डीएसपी

मैहर।थाना प्रभारी अनिमेष द्विवेदी को मध्य प्रदेश पुलिस विभाग में पदोन्नति मिलने पर उन्हें उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) के पद पर पदोन्नति किया गया है। उनकी पदोन्नति की खबर से पुलिस विभाग और क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है मैहर में थाना प्रभारी के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान अनिमेष द्विवेदी ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई प्रभावी अभियान चलाए उनके नेतृत्व में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, चोरी और अन्य गंभीर अपराधों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की गई। पुलिस की इन कार्रवाइयों से अपराध पर अंकुश लगाने का प्रयास किया गया और अपराधियों में पुलिस का भय देखने को मिला अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कानून के प्रति सख्त और निष्पक्ष कार्यशैली का परिचय दिया है।

शिक्षा में विघ्न उचित नहीं, जिला प्रशासन ले संज्ञान : प्रभात द्विवेदी

मैहर।जिले का नामचीन विद्यालय संदीपनी विद्यालय में विगत दो दिनों से अध्ययनरत हजारों छात्र उमस भरी गर्मी और बिना पानी परेशान है। कारण जो ठेकेदार निर्माण कार्य कर रहा था उसका बिजली का बिल बाकी है और निर्माण एजेंसी श्रद्धब्ध ने नवीन ट्रांसफार्मर हेतु राशि जमा नहीं की जिस कारण विभाग ने विद्युत विच्छेद कर दिया है

विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल ने वार्ड-9 में कराया निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

नगर संवाददाता, सतना।

विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, जिला मैहर द्वारा आयोजित सेवा सप्ताह के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 9 में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का किया गया आयोजन इस स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में स्थानीय नागरिकों के रक्तचाप (बीपी) एवं रक्त शर्करा (शुगर) की निःशुल्क जाँच की गई। साथ ही आवश्यकतानुसार प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया तथा निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। शिविर का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाना एवं सेवा के माध्यम से जनकल्याण का भाव जागृत करना रहा। बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने शिविर का लाभ उठाया तथा आयोजन की सराहना की। विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल सेवा, संस्कार एवं समाजहित के कार्यों के लिए निरंतर समर्पित है और भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

किसान भटक रहे बीज के लिये

अमरपाटन। वैसे तों मोहन सरकार किसनों की आय बढ़ाने के लिये तमाम कोशिशें व योजनाओं के साथ-साथ कृषि वर्ष घोषित कर रखा लेकिन अमरपाटन कृषि विभाग का हाल देख लिया जाय तो यहां किसान विभाग के ढेहरी पर सुबह से शाम हों जाती विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों का अता पता नहीं रहता। प्रभार के भार में प्रभारियों की गिनती नहीं लेकिन किसानों को योजनाओं वा बीज के लिये क्षेत्रीय अधिकारी अक्सर लापता रहते हैं हालत यह है कि किसान यहां वहां भटकता रहा है।

[नोटिस] सीएम हेल्पलाइन में खराब प्रदर्शन पर 3 बीएमओ को नोटिस

मझगवां, नागौद और उचेहरा के बीएमओ से तीन दिन में मांगा जवाब सुधार नहीं होने पर 'नो वर्क, नो पे' के तहत वेतन काटने की चेतावनी

नगर संवाददाता, सतना।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लगातार खराब प्रदर्शन पर जिला प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस. ने समय-सीमा बैठक में समीक्षा के बाद जिले के मझगवां, नागौद और उचेहरा विकासखंडों के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निराकरण में सुधार नहीं हुआ तो विभागीय कार्रवाई के साथ 'नो वर्क, नो पे' के तहत एक सप्ताह का वेतन काटा जाएगा।

13 जुलाई को जारी नोटिस में कलेक्टर ने उल्लेख किया है कि जून-2026 की सीएम हेल्पलाइन ग्रेडिंग में तीनों विकासखंडों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं पाया गया। शिकायतों के निराकरण में लापरवाही के कारण स्वास्थ्य विभाग की ग्रेडिंग और जिले की समग्र रैंकिंग प्रभावित हुई है।

जारी आंकड़ों के अनुसार मझगवां बीएमओ का वेटेज स्कोर 54.86 प्रतिशत, नागौद बीएमओ का 53.03 प्रतिशत तथा उचेहरा बीएमओ का 52.37 प्रतिशत दर्ज किया गया। तीनों को 'डी' ग्रेड मिली तथा विभागीय रैंक 23 रही।

कलेक्टर ने नोटिस में कहा है कि कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस और समय-सीमा बैठकों में लगातार निर्देश दिए जाने के बावजूद शिकायतों का अपेक्षित स्तर पर निराकरण नहीं किया जा रहा है। बार-बार चेतावनी के बाद भी लापरवाही बरतना संबंधित अधिकारियों की कार्यप्रणाली को दर्शाता है। नोटिस में निर्देश दिए गए हैं कि आगामी समीक्षा बैठक से पहले जून-2026 की सभी लंबित तथा 50 दिन से अधिक पुरानी शिकायतों का नियमानुसार और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय में सुधार नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध एकपक्षीय विभागीय कार्रवाई की जाएगी तथा 'नो वर्क, नो पे' के प्रावधान के तहत एक सप्ताह का वेतन काटने की कार्रवाई भी की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

उपमुख्यमंत्री विभिन्न कार्यक्रमों में हुये शामिल

रीवा। उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल 15 जुलाई को सुबह 8 बजे रेवांचल एक्सप्रेस ट्रेन से रीवा पहुंचें। उपमुख्यमंत्री सुबह 10 बजे भारतीय रेडक्रास भवन झिरिया रीवा में आयोजित समारोह में नवीनीकृत कृत्रिम अंग निर्माण इकाई का लोकार्पण किया। उपमुख्यमंत्री पात्र दिव्यांगों को कृत्रिम अंगों का वितरण भी करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय रेडक्रास समिति रीवा द्वारा किया जा रहा है। इसके बाद उपमुख्यमंत्री सुबह 11 बजे होटल राजविलास पीली कोठी रीवा में विकसित भारत 2047 तथा आयुष्मान भारत योजना के संबंध में आयोजित पत्रकार वार्ता में शामिल होंगे। कार्यक्रम में केन्द्र सरकार की प्रमुख विकास योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम का आयोजन भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत कार्यरत प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो भोपाल द्वारा किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल दोपहर 12 बजे रीवा से प्रस्थान कर दोपहर एक बजे गंगेव विकासखण्ड के हिनौती गौधाम पहुंचेंगे। उपमुख्यमंत्री हिनौती गौधाम में आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में पौधे रोपित करके पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगे। इसके बाद उपमुख्यमंत्री नंदनी गोशेड एवं प्राकृतिक खेती पर आधारित बायोइनपुट प्लांट का लोकार्पण करेंगे। उपमुख्यमंत्री हिनौती गौधाम में आयोजित किसान संगोष्ठी में भी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उपमुख्यमंत्री दोपहर 3 बजे हिनौती गौधाम से शहडोल के लिए प्रस्थान करेंगे।

रीवा और मऊगंज में लगेंगे निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

रीवा। उपमुख्यमंत्री तथा चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल के निर्देशों के अनुसार रीवा और मऊगंज जिले में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगायें जायेंगे। शिविरों का आयोजन 15 से 31 जुलाई तक किया जा रहा है। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यज्ञेश त्रिपाठी ने बताया कि शिविर में स्वास्थ्य विभाग की सभी प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। शिविर में गर्भवती महिलाओं और शिशुओं की जांच के लिए विशेषज्ञ चिकित्सक तैनात रहेंगे। शिविर में रोगियों को दवाओं का नि:शुल्क वितरण भी किया जायेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि रीवा जिले में 15 जुलाई को जवा विकासखण्ड के डभौरा तथा 17 जुलाई को सिरमौर विकासखण्ड के रगौली में शिविर लगाया जायेगा। इसी तरह 22 जुलाई को गंगेव विकासखण्ड के लालगांव तथा रीवा विकासखण्ड के भटलो, 24 जुलाई को रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड के सगरा तथा 29 जुलाई को जवा विकासखण्ड के पटेहरा एवं सिरमौर विकासखण्ड के पुरवा में शिविर लगाया जायेगा। अंतिम शिविर 31 जुलाई को रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड के लक्ष्मणपुर में लगाया जायेगा। मऊगंज जिले में 15 जुलाई को हनुमना ब्लाक के पहाड़ी तथा 17 जुलाई मऊगंज ब्लाक के ढेरा में शिविर लगेगा। इसी तरह 24 जुलाई हनुमना ब्लाक के पिपराही तथा 31 जुलाई को मऊगंज ब्लाक के देवतालाब में शिविर लगाया जायेगा। शिविर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक लगेंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने आमजनता से इन शिविरों से लाभ उठाने की अपील की है।

बाल संप्रेषण गृह में निरूद्ध किशोर की फंदे में लटकती मिली लाश

रीवा, नगर संवाददाता।

बाल सुधार गृह रीवा में सोमवार देर रात उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक निरुद्ध किशोर की फांसी के फंदे में लाश लटकती देखी गयी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए संजय गांधी अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान अभिषेक पटेल, पिता चंद्रशेखर पटेल 17 वर्ष निवासी अमिलिया थाना क्षेत्र, जिला सीधी के रूप में हुई है। बताया गया कि नाबालिग को लगभग एक सप्ताह पूर्व पॉक्सो एक्ट से संबंधित प्रकरण में न्यायालय के आदेश पर रीवा के बाल संप्रेषण गृह में रखा गया था। बताया गया है कि सोमवार देर रात नियमित निगरानी के दौरान बाल संप्रेषण गृह के कर्मचारियों ने नाबालिग को फंदे पर लटका हुआ देखा। इसके बाद तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सुरक्षा व्यवस्था,निगरानी प्रणाली सहित घटना से जुड़े पहलुओं की जांच

बाल संप्रेषण गृह में ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड जवान अमित कुमार तिवारी ने प्रारंभिक जानकारी में बताया कि नाबालिग ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। हालांकि उसने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया, इसका अभी तक स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। पुलिस ने घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी, जिसके बाद परिजन रीवा पहुंचे। मंगलवार को मृतक का पीएम करवाया गया जिसके बाद शव परिजनों को सौप दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही बाल संप्रेषण गृह की सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी प्रणाली और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की भी विस्तृत जांच की जा रही है, ताकि आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा सके।

मासूम बच्चियों के साथ किया था घिनौना कृत्य

आरोपी को न्यायालय ने सुनायी आजीवन कारावास की सजा

रीवा, नगर संवाददाता।

पड़ोस में रहने वाली 7 से 8 वर्ष तक की बच्चियों के साथ घिनौना कृत्य करने वाले एक 40 वर्षीय युवक को मा.विशेष न्यायाधीश त्योथर पास्को न्यायालय ने सबूतों और गवाहों के आधार पर दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा के साथ अर्थदण्ड से दण्डित किया है। मामले की पैरवी विशेष लोक अभियोजक धीरज सिंह ने की। मामले को लेकर बताया गया कि 2024 में डभौरा निवासी मगलेश्वर केसरवानी द्वारा पड़ोस में रहने वाली एक सात वर्षीय बच्ची के साथ उस समय गलत काम किया जब उसकी बेटी के साथ बच्ची खेल रही थी। उसने अपनी बेटी को पान लाने के लिए भेज दिया और बच्ची के साथ गलत काम किया। इसी तरह मंगलेश्वर ने कुछ दिन पूर्व पड़ोस की दो सगी मासूम बहनों के साथ भी किया था जिसकी भनक परिजनों को लगने पर उन्होंने डभौरा थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की विवेचना उस समय के थाना प्रभारी रिषभ सिंह बघेल ने की थी। विवेचना उपरांत चालान न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। मंगलवार को त्योंथर विशेष न्यायालय पास्को ने लोक अभियोजक द्वारा प्रस्तुत किये गये सबूतों और बयानों के आधार पर आरोपी मंगलेश्वर केसरवानी 40 वर्ष निवासी डभौरा को दोषी पाते हुए आजीवन प्राकृतिक कारावास की सजा सुनायी। बताया गया कि आरोपी को दो दिन पूर्व दो मामलों में त्योंथर न्यायालय द्वारा दस बर्ष की सजा सुनायी गयी थी और आज तीसरे दुष्कर्म के मामले में उसी आरोपी मगलेश्वर केसरवानी को माननीय न्यायालय द्वारा प्राकृतिक आजीवन कारावास की सजा एवं 5000 के अर्थदंड से दंडित किया है।

आवास सूची में पात्रों के नाम काटे, अपात्रों को फायदा देने का आरोप

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना की पात्रता सूची को लेकर जवा जनपद पंचायत में गड़बड़ी के आरोप लग रहे हैं। ग्राम पंचायत गढ़ा-137 के ग्रामीणों ने जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया कि सर्वे के दौरान बड़ी संख्या में पात्र परिवारों के नाम सूची से हटा दिए गए, जबकि अपात्र लोगों को लाभ पहुंचाने की तैयारी की गई। ग्रामीणों का कहना है कि कई जरूरतमंद परिवार आज भी कच्चे और जर्जर मकानों में रहने को मजबूर हैं, लेकिन उनका नाम आवास सूची में नहीं है। दूसरी ओर, ऐसे लोगों के नाम सूची में शामिल होने की शिकायत है जो योजना की पात्रता पर खरे नहीं उतरते। ज्ञापन के साथ ग्रामीणों ने कथित रूप से छूटे हितग्राहियों की सूची भी सौंपी और दोबारा सर्वे कर सूची संशोधित करने की मांग की।

नाम जुड़वाने के नाम पर लिए जा रहे पैसे

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जवा जनपद की कई पंचायतों में यही स्थिति है। लोग कई दिनों से जनपद कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन समाधान नहीं हो रहा। कुछ लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि नाम जुड़वाने के नाम पर पैसे लिए गए, फिर भी सूची में नाम शामिल नहीं किए गए। ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई और पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाने की मांग की है।

15 से 30 जुलाई तक चलेगा जनजागरूकता अभियान

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 का हुआ शुभारंभ

रीवा, नगर संवाददाता।

सीएम के वर्चुअल कार्यक्रम में शामिल हुए रीवा एसपी

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान का मंगलवार को शुभारंभ किया गया। यह अभियान प्रदेशभर में 15 जुलाई से 30 जुलाई तक संचालित होगा। जिसके अंतर्गत पुलिस द्वारा स्कूलों, कॉलेजों, ग्राम पंचायतों और शहरी क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान का प्रदेश स्तरीय शुभारंभ भोपाल के रवीन्द्र भवन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। उन्होंने प्रदेशवासियों को नशामुक्त मध्यप्रदेश बनाने का संकल्प दिलाते हुए नशे के खिलाफ जनभागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण मऊगंज पुलिस कंट्रोल रूम में देखा गया। पुलिस विभाग के अनुसार अभियान के दौरान विद्यालयों, महाविद्यालयों, ग्राम पंचायतों, शासकीय एवं अशासकीय संस्थानों, सार्वजनिक स्थलों और विभिन्न सामाजिक मंचों पर जागरूकता कार्यक्रम, संवाद, शपथ एवं जनसंपर्क गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। सोशल मीडिया और अन्य संचार माध्यमों के जरिए विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं एवं आमजन को नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों की जानकारी देकर नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहयोग करें और युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए इस जनजागरूकता अभियान का हिस्सा बनें।

15 जुलाई से 30 जुलाई तक संचालित किए जाने वाले राज्यव्यापी नशा मुक्ति जनजागरूकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 का शुभारंभ अवसर पर पुलिस कंट्रोल रूम रीवा में पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह ने मुख्यमंत्री के वर्चुअल कार्यक्रम में भाग लिया। पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान जिले के सभी थाना क्षेत्रों में स्कूल-कॉलेजों, आम नागरिकों और युवाओं के बीच विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देकर लोगों को नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से स्वयं नशे से दूर रहने और परिवार व समाज को भी नशामुक्त बनाने में सहयोग करने की अपील की।

आमजनता के 548 आवेदन पत्रों में की गई सुनवाई

रीवा, नगर संवाददाता।

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर तथा अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने आमजनता के 548 आवेदन पत्रों में सुनवाई की। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने सभी अधिकारियों को जनसुनवाई के आवेदन पत्रों का सात दिवस में निराकरण करके प्रतिवेदन ऑनलाइन दर्ज करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सीमांकन, जमीन से अवैध कब्जा हटाने, उपचार सहायता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भर्ती, अनुकंपा नियुक्ति, निर्माण कार्यों में अनियमितता, बिजली बिलों में सुधार सहित विभिन्न आवेदन पत्रों में सुनवाई की गई। जनसुनवाई में एसडीएम हुजूर डॉ. अनुराग तिवारी, डिप्टी कलेक्टर सुधीर बेक, डिप्टी कलेक्टर जितेन्द्र तिवारी, तहसीलदार शिवशंकर शुक्ला तथा अन्य अधिकारियों ने भी आमजनता के आवेदनों में सुनवाई की।

जनसुनवाई में मोहन सिंह बघेल पूर्व सरपंच देउरा कोठार ने सेवा से बर्खास्त पूर्व ग्राम पंचायत सचिव द्वारा अवैध रूप से ग्राम पंचायत में किए जा रहे शासकीय कार्य पर रोक लगाने के लिए आवेदन दिया। आवेदन में जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को कार्यवाही के निर्देश दिए गए। कविता सिंह अवस्थी रीवा ने ग्राम कोष्ठ में जमीन के सीमांकन के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने तहसीलदार रायपुर कर्चुलियान को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। एमानुल हक निवासी मनगवां ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की मृत्यु पर अनुकंपा नियुक्ति देने के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। रामलखन विश्वकर्मा निवासी वार्ड क्रमांक 44 तथा महेन्द्र प्रसाद तिवारी निवासी वार्ड क्रमांक 15 रीवा ने सड़क तथा नाली निर्माण के लिए आवेदन दिया। नगर निगम को आवेदनों में समुचित कार्यवाही के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में जागेश्वर साकेत निवासी धौचट ने पुत्र द्वारा मारपीट किए जाने की शिकायत की।

आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस ने रीवा में खोली नई शाखा

रीवा, नगर संवाददाता।

आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एबीएचएफएल), जो आदित्य बिरला कैपिटल लिमिटेड की सहायक कंपनी और भारत की प्रमुख हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों में से एक है, ने रीवा में नई शाखा खोलकर मध्य प्रदेश में अपनी उपस्थिति को और मजबूत किया है। इस नई शाखा के साथ हरियाणा में एबीएचएफएल की कुल शाखाओं की संख्या 22 हो गई है। रीवा में महत्वपूर्ण आवासीय विकास देखने को मिलने वाला है, जहाँ रीवा एयरपोर्ट की शुरुआत इस क्षेत्र के रियल एस्टेट बाजार के लिए एक प्रमुख उत्प्रेरक के रूप में उभर रही है। रीवा हवाई अड्डा मध्य प्रदेश का छठा कमर्शियल हवाई अड्डा है, जो रीवा को भोपाल, लखनऊ, खजुराहो और दिल्ली से जोड़ता है। अपनी नई शाखा के माध्यम से, कंपनी ग्राहकों की आवश्यकताओं के मुताबिक तैयार किए गए हाउसिंग फाइनेंस समाधानों तक पहुंच को आसान बनाएगा, जिससे ग्राहक अधिक सुगमता और सुविधा के साथ अपने घर के मालिक बनने के सपने को पूरा कर सकेंगे। एबीएचएफएल विभिन्न ग्राहक वर्गों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आवास वित्त से जुड़े कई समाधान उपलब्ध कराता है। इनमें किफायती गृह ऋण, प्रीमियम गृह ऋण, निर्माण वित्त और संपत्ति के बदले ऋण जैसी सुविधाएं शामिल हैं। कंपनी की सेवाएं वेतनभोगी कर्मचारियों, स्वरोजगार पेशेवरों, छोटे व्यवसायियों और उभरते आय वर्गों के ग्राहकों के लिए उपलब्ध हैं। इस लॉन्च के अवसर पर एबीएचएफएल ग्राहकों को शून्य लॉगिन फीस के साथ 50 लाख रुपये तक के लोन की मौके पर मंजूरी की विशेष पेशकश कर रहा है। यह ऑफर 14 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक मान्य रहेगा, जिससे ग्राहकों को तेज और अधिक किफायती ऋण सुविधा उपलब्ध होगी।

कमिश्नर ने पशुओं के शत.प्रतिशत टीकाकरण और गौशालाओं का निरीक्षण करने के दिए निर्देश

उच्च शिक्षा विभाग यूपीएससी एवं एमपीपीएससी की कक्षाएं प्रारंभ करेः कमिश्नर

- खनिज विभाग उड़नदस्ता दल को सक्रिय करते हुए अवैध खनिज उत्खननों पर अंकुश लगाएं
- कमिश्नर ने समय सीमा की बैठक में दिए विभिन्न निर्देश

रीवा, नगर संवाददाता।

संभाग कमिश्नर शीलेंद्र सिंह ने संयुक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि वह संभाग के सभी जिलों के एक.एक महाविद्यालय में यूपीएससी एवं एमपीपीएससी की कक्षाएं तत्काल प्रारंभ कराएं। कमिश्नर ने कहा कि यूपीएससी व एमपी पीएससी के विषय से संबंधित पुस्तकों का सेट सभी विद्यार्थियों को उपलब्ध करा दिया जाएगा। कमिश्नर ने इस संबंध में सभी विषयवार प्राध्यापकों को एमपीपीएससी एवं यूपीएससी के कोर्स पढ़ाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश भी दिए। कमिश्नर ने संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं को निर्देश दिए कि वह बारिश से पूर्व सभी पशुओं का शत.प्रतिशत टीकाकरण कराना सुनिश्चित करें और जिससे उन्हें खुरपका और मुंहपका रोग से बचाया जा सके, साथ ही जिले में स्थित सभी गौशालाओं का भी रोस्टर के अनुसार निरीक्षण करना सुनिश्चित करें। गौशालाओं में यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित के विरूध तत्काल कार्रवाई करना भी सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने खनिज विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि वह अपने विभाग के उड़नदस्ता दल को व्यापक रूप से सक्रिय करें और खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर सख्ती से कार्रवाई करना सुनिश्चित करें।

कमिश्नर ने सभी विभाग प्रमुख को आगामी 16 एवं 17 जुलाई को सभी जिला कोषालय में लेखा संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए आयोजित हो रहे शिविर का लाभ उठाने के निर्देश दिए और कहा कि सभी विभाग के अधिकारी अपने विभागीय लेखा, बकाया स्वत्वों, पेंशन, ग्रेच्युटी एवं वित्त संबंधी समस्याओं का निराकरण शिविर के माध्यम से कराना सुनिश्चित करें।

कमिश्नर ने ईआरईएस के अधिकारी को निर्देश दिए कि वह विभाग द्वारा निर्धारित किए गए सभी कार्य समय सीमा में पूर्ण करते हुए संबंधित एजेंसी को पूर्ण कार्य हैंडओवर भी करें। कमिश्नर ने स्वास्थ्य एवं महिला बाल विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह चिन्हित ग्राम पंचायतो में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर गर्भवती महिलाओं की एएनसी चेकअप अनिवार्य रूप से कराना सुनिश्चित करें। सभी डीपीओ एवं सीएमएचओ मिलकर शिविर में आवश्यक रूप से सहयोग प्रदान करें। कमिश्नर ने संयुक्त संचालक स्कूल शिक्षा विभाग को निर्देश दिए की स्कूली विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाने का काम शीघ्रता से पूर्ण कर लिया जाए एवं साइकिल वितरण का काम भी जनप्रतिनिधियों के माध्यम से करना सुनिश्चित करें। हायर सेकेंडरी स्कूलों के विद्यार्थियों को नीट एवं जेईई की तैयारी कराने के लिए स्कूलों में कक्षाएं संचालित की जाएं। कमिश्नर ने कहा कि सभी स्कूलों को नीट व जेईई की पुस्तकों का एक.एक सेट उपलब्ध कराया जाएगा।

जर्जर भवनों को डिस्मेंटल करें

कमिश्नर ने संयुक्त संचालक नगरीय विकास को जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवनों को डिस्मेंटल करने के निर्देश दिए। बताया गया कि रीवा संभाग में अब तक 154 जर्जर व क्षतिग्रस्त सार्वजनिक भवन चिन्हित किए गए थे जिनमें 86 भवनो को डिस्मेंटल कर दिया गया है एवं बाकी में संबंधित को नोटिस जारी किए गए हैं। कमिश्नर ने विधायक निधि, सांसद निधि एवं मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान निधि की जानकारी ली। कमिश्नर ने पीआईयू विभाग के अधिकारी को संभाग के सभी निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूल (सांदीपनि स्कूल) को इसी वर्ष पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुष अधिकारी को निर्देश दिए कि वह आयुष आपके द्वार अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के आयुष अस्पतालों के माध्यम से लोगों को घर.घर जाकर स्वास्थ्य के लिए प्रेरित करें। कमिश्नर ने बैठक में ऊर्जा विभाग के नए स्थापित सब स्टेशन, 33 केव्ही के पूर्ण हो चुके ट्रांसफार्मर, मत्स्य विभाग के सीड प्रोडक्शन के कार्य की प्रगति, स्कूल शिक्षा विभाग के वॉश एवं क्लीन अभियान के संबंध में जानकारी ली।

फर्जी आडियो के नाम पर कारोबारी को ब्लैकमेल करने की धमकी

रीवा, नगर संवाददाता।

शहर के एक रियल एस्टेट कारोबारी ने सोशल मीडिया पर कथित फर्जी ऑडियो वायरल कर बदनाम करने और ब्लैकमेल करने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से जांच की मांग की है। रियल एस्टेट कंपनी विंड ग्रुप के संचालक तौसीफ अहमद उर्फ रेशी ने एसपी को दिए आवेदन में कहा है कि पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर एक ऑडियो क्लिप वायरल की जा रही है, जिसमें जातिगत और आपत्तिजनक टिप्पणियां सुनाई दे रही हैं। दावा किया जा रहा है कि ऑडियो में उनकी आवाज है, जबकि उन्होंने इसे पूरी तरह फर्जी, एडिटेड और एआई तकनीक से तैयार बताया है। तौसीफ अहमद का कहना है कि इस ऑडियो के जरिए उन्हें बदनाम करने, ब्लैकमेल करने और सामाजिक वैमनस्य फैलाने की साजिश की जा रही है। उन्होंने पुलिस से ऑडियो की तकनीकी जांच कराने तथा इसे वायरल करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल वायरल ऑडियो की सत्यता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मणि प्रसाद ने लाल खान पर लगाया जान से मारने का आरोप

रीवा, नगर संवाददाता। सोहागी थाना क्षेत्र के बारीकला गांव निवासी मणि प्रसाद चतुर्वेदी ने थाने पहुंचकर शिकायती आवेदन देते हुए क्षेत्र के ही मोहम्मद इस्लाम उर्फ लाल खान के ऊपर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। अपने शिकायती पत्र में मणि प्रसाद ने बताया कि 10 जुलाई 26 को लल्ला खान को फोन कर कहा गया कि जो मेरा घोपा ले गये हों उसे लौटा दो,जिस पर उसने फोन पर ही गाली गलौच करते हुए कहा कि मैं तुम्हारा घोपा नही लौटाऊंगा,साथ ही उसने कहा कि मैं तुम्हारे बेटे सहित परिवार के ऊपर गाड़ी चढ़ाकर खत्म कर दूंगा। लल्ला खान की धमकी के बाद पूरे घर में दहशत का माहौल है। पीड़ित ने फरियाद कर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार करने की मांग की है।

संपादकीय

कॉकरोच नहीं घुन से डरिए

इस साल मई माह में गर्मी के साथ-साथ नीट-यूजी परीक्षा देने वाले 22.8 लाख से ज्यादा छात्रों के सपनों में भी आग लगी हुई थी। देशभर के लाखों घरों में उम्मीद, तनाव और भविष्य एक ही दिन पर टिके थे। लेकिन, कुछ ही दिनों बाद खबर आई- नीट-यूजी परीक्षा निरस्त कर दी गई है। सोशल मीडिया पर वायरल गेस पेपर के सैकड़ों सवाल असली प्रश्नपत्र से मेल खाते पाए गए। मामला इतना गंभीर हुआ कि सीबीआई जांच शुरू करनी पड़ी। जांच की परतें खुलीं तो साजिश एनटीए से जुड़े शिक्षकों, स्कूल प्रिंसिपलों, डॉक्टरों और कोचिंग नेटवर्क तक जा पहुंची। लाखों रुपए में पेपर बिके और ईमानदारी से पढ़ने वाले बच्चे फिर एक बार अनिश्चितता, तनाव और तैयारी के उसी अंतहीन चक्र में धकेल दिए गए। यह केवल एक परीक्षा का संकट नहीं था। यह उस व्यवस्था का चेहरा था जो बच्चों को यह भरोसा दिलाती है कि मेहनत करो, सपने पूरे होंगे। लेकिन हर पेपर लीक के बाद वही व्यवस्था उन्हें सिखाती है कि इस देश में मेहनत से ज्यादा ताकत सिस्टम की है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर ने कहा था, शिक्षा वह शेरनी का दूध है, जो पिएगा वह दहाड़ेगा। लेकिन आज का शिक्षा तंत्र बच्चों को दहाड़ना नहीं, डरना सिखा रहा है। आज बच्चे सिर्फ परीक्षा से नहीं लड़ रहे। वे उस व्यवस्था से भी लड़ रहे हैं जो धीरे-धीरे उन्हें यह सिखा रही है कि ईमानदारी पर्याप्त नहीं है। यह बेहद खतरनाक संदेश है। सवाल केवल एनटीए का नहीं। पूरा परीक्षा मॉडल पुनर्विचार मांग रहा है। जरूरत परीक्षा प्रक्रिया के विकेंद्रीकरण की है। एनटीए जैसी संस्थाओं की स्वतंत्र जवाबदेही तय करने की। कोचिंग उद्योग पर सख्त रेगुलेशन और फीस कैप लगाने की। मानसिक स्वास्थ्य सहायता को अनिवार्य बनाने की। बोर्ड परीक्षा और एंट्रेंस मॉडल के बीच बेहतर संतुलन बनाने की और सबसे महत्वपूर्ण- एक ही करियर को सफलता मानने की मानसिकता बदलने की। बच्चे चीख रहे हैं- हमारी गुहार सुनो। बच्चे भ्रष्टाचार के खिलाफ बोल रहे हैं, लेकिन व्यवस्था अक्सर उनकी बेचैनी को राजनीतिक शोर मानकर खारिज कर देती है। उन्हें केवल अगली परीक्षा की तारीख नहीं चाहिए। उन्हें एक ऐसा सिस्टम चाहिए जिस पर वे भरोसा कर सकें। नेल्सन मंडेला ने कहा था, शिक्षा दुनिया को बदलने का सबसे शक्तिशाली हथियार है। लेकिन अगर वही शिक्षा व्यवस्था भ्रष्टाचार, लीक और अविश्वास से भर जाए, तो वही हथियार समाज के खिलाफ भी काम करने लगता है। जिस देश के युवा अपने ही सिस्टम पर भरोसा खो दें, वहां सिर्फ शिक्षा नहीं टूटती- लोकतंत्र भी कमजोर होने लगता है। 2024 में भी नीट पेपर लीक और टॉपर विवाद ने देश को झकझोर दिया था। 2026 में फिर वही पैटर्न सामने आया। बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र और दिल्ली तक जांच की आंच पहुंची। सीबीआई ने शिक्षकों, स्कूल प्रिंसिपलों और मेडिकल नेटवर्क से जुड़े लोगों को गिरफ्तार किया। यह सिर्फ अपराध नहीं था, यह व्यवस्था के भीतर बैठे भ्रष्ट गठजोड़ का संकेत था। जब कोई परीक्षा लीक होती है तो प्रश्नपत्र ही बाहर नहीं आता, व्यवस्था का नैतिक दिवालियापन भी बाहर आ जाता है। आज का छात्र यह देख रहा है कि कोई लाखों रुपए देकर पेपर खरीद सकता है, कोई नेटवर्क के जरिए एडवांटेज हासिल कर सकता है, और ईमानदार छात्र दोबारा तैयारी करने की सलाह पाता है। यही किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए सबसे खतरनाक स्थिति होती है। भारत को डॉक्टर और इंजीनियर चाहिए। लेकिन उससे पहले भारत को मानसिक रूप से सुरक्षित बच्चे चाहिए। सरकार को कॉकरोच से नहीं, उस घुन से डरना चाहिए जो शिक्षा व्यवस्था को भीतर से खा रहा है। क्योंकि अगर युवा पीढ़ी का भरोसा टूट गया तो सिर्फ परीक्षाएं नहीं टूटेंगी, देश का सामाजिक ताना-बाना भी टूटने लगेगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उत्पन्न विवाद

अमेरिका-ईरान टकराव और विश्व शांति की नई चुनौती

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

अमेरिका और ईरान के बीच लंबे तनाव के बाद बड़ी कठिनाई से बना संघर्ष विराम अपनी निर्धारित अवधि पूरी करने से पहले ही टूटने की कगार पर पहुंच गया है। ईरान द्वारा अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए गए ताजा हमलों और उसके जवाब में अमेरिका की भीषण बमबारी ने एक बार फिर पूरी दुनिया को युद्ध की आशंकाओं के बीच खड़ा कर दिया है। यह केवल दो देशों के बीच का सैन्य संघर्ष नहीं है, बल्कि वैश्विक शांति, आर्थिक स्थिरता और मानवीय मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती है। जिस समय विश्व को महामारी, आर्थिक मंदी, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट जैसी समस्याओं से मिलकर लड़ना चाहिए, उस समय महाशक्तियों का युद्धोन्माद पूरी मानवता को पीछे धकेलने का कार्य कर रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उत्पन्न विवाद ने इस संघर्ष को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। विश्व के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल की आपूर्ति इसी समुद्री मार्ग से होती है। यदि यह मार्ग बाधित होता है तो केवल तेल की कीमतें ही नहीं बढ़ेंगी, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक दुष्प्रभाव पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, उत्पादन लागत में वृद्धि होगी, आपूर्ति श्रृंखलाएं टूटेंगी और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था सबसे अधिक प्रभावित होगी। युद्ध की आग कभी सीमाओं में नहीं रहती, उसकी तपिश अंततः पूरी दुनिया को झुलसाती है।

इस संघर्ष का सबसे दुखद पक्ष यह है कि इसमें निर्दोष नागरिकों, नाविकों और आम जनजीवन को सबसे अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। हाल के घटनाक्रम में भारतीय नाविकों के प्रभावित होने और भारत के सहयोग से विकसित रणनीतिक महत्व वाले चाबहार बंदरगाह परियोजना को नुकसान पहुंचने से यह स्पष्ट हो गया है कि युद्ध किसी एक देश तक सीमित नहीं रहता। अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक विश्वास-तीनों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अमेरिका स्वयं को लोकतंत्र और विश्व व्यवस्था का संरक्षक बताता है, लेकिन उसकी विदेश नीति लंबे समय से प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और शक्ति प्रदर्शन पर आधारित रही है। किसी भी राष्ट्र को झुकाने के लिए आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य हमले और राजनीतिक दबाव स्थायी समाधान नहीं हो सकते। महाशक्ति होने का अर्थ केवल सैन्य सामर्थ्य नहीं, बल्कि संयम, दूरदृष्टि और विश्व समुदाय के प्रति नैतिक उत्तरदायित्व भी है। यदि शक्ति विवेक से संचालित न हो तो वही शक्ति विनाश का कारण बन जाती है।

दूसरी ओर ईरान को भी यह समझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को अपने रणनीतिक हितों के लिए बंधक बनाना न तो अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है और न ही वैश्विक विश्वास के अनुकूल। किसी भी देश की सुरक्षा तब तक स्थायी नहीं हो सकती जब तक वह पड़ोसी देशों और विश्व समुदाय के साथ सहयोग, विश्वास और पारदर्शिता का वातावरण निर्मित न करे। भय और प्रतिशोध पर आधारित सुरक्षा व्यवस्था अंततः स्वयं को ही असुरक्षित बना देती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली ने इस पूरे संकट को और अधिक अनिश्चित बनाया है। एक ओर वे कठोर सैन्य कार्रवाई करते हैं, दूसरी ओर वार्ता और समझौते की बातें करते हैं। इस प्रकार के विरोधाभासी संदेश न केवल कूटनीतिक विश्वास को कमजोर करते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अस्थिरता पैदा करते हैं। महाशक्तियों के नेताओं के प्रत्येक वक्तव्य का प्रभाव केवल उनके देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था, निवेश, ऊर्जा बाजार और करोड़ों लोगों के जीवन पर पड़ता है। इसलिए नेतृत्व में धैर्य, स्थिरता और विश्वसनीयता अत्यंत आवश्यक है।

इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध से लेकर इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया तक, हर युद्ध ने नई समस्याएं ही पैदा की हैं। लाखों लोगों की जान गई, करोड़ों लोग विस्थापित हुए, लेकिन अंततः समाधान फिर बातचीत की मेज पर ही खोजे गए। यदि अंत में संवाद ही करना है, तो शुरुआत भी संवाद से ही क्यों नहीं हो सकती? यही प्रश्न आज पूरी मानवता के सामने खड़ा है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा का मार्ग दिखाया है। गौतम बुद्ध, भगवान महावीर और महात्मा गांधी की भूमि ने यह सिखाया कि वास्तविक विजय शत्रु को पराजित करने में नहीं, बल्कि शत्रुता को समाप्त करने में है। भारत की विदेश नीति भी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'विश्वबंधुत्व' के आदर्शों पर आधारित रही है। भारत ने हमेशा संवाद, कूटनीति और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। यही कारण है कि भारत आज विश्वसनीय मध्यस्थ, संतुलित शक्ति और जिम्मेदार वैश्विक भागीदार के रूप में सम्मान प्राप्त कर रहा है।

वर्तमान संकट में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत के अमेरिका, ईरान और खाड़ी देशों के साथ संतुलित संबंध हैं। भारत यदि संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से सक्रिय शांति पहल करे, तो तनाव कम करने में उसकी भूमिका प्रभावी सिद्ध हो सकती है। साथ ही भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार और विदेशों में कार्यरत भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी दूरदर्शी रणनीति अपनानी होगी। आज आवश्यकता किसी एक पक्ष की विजय की नहीं, बल्कि मानवता की विजय की है। हथियारों की होड़ से न तो समृद्धि आती है और न ही सम्मान। वास्तविक शक्ति मिसाइलों, बमों और युद्धपोतों में नहीं, बल्कि विश्वास, सहयोग और संवाद में निहित होती है। युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, वह केवल नई समस्याओं को जन्म देता है। अहिंसा कायरता नहीं, बल्कि आत्मबल, धैर्य और दूरदर्शिता का सर्वोच्च स्वरूप है।

विश्व समुदाय को अब यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि किसी भी देश की मनमानी, सामरिक अहंकार और युद्धोन्माद को स्वीकार नहीं किया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र सहित वैश्विक संस्थाओं को अधिक प्रभावी, निष्पक्ष और सक्रिय भूमिका निभानी होगी। यदि आज भी दुनिया ने युद्ध की राजनीति पर अंकुश नहीं लगाया, तो भविष्य की पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। आज पूरी दुनिया की प्रार्थना यही है कि अमेरिका को शक्ति के साथ सद्बुद्धि मिले, ईरान को संयम और विवेक का मार्ग मिले तथा दोनों राष्ट्र हथियारों की भाषा छोड़कर संवाद की संस्कृति अपनाएं। शांति ही विकास का आधार है, संवाद ही स्थायी समाधान का मार्ग है और अहिंसा ही मानव सभ्यता का सबसे बड़ा अस्त्र है। यही समय की पुकार है, यही मानवता की अपेक्षा है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

05 अगस्त 2019 को जब संसद में गृहमन्त्री श्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर राज्य में अनुच्छेद 370 के तहत लागू इसका विशेष दर्जा समाप्त करते हुए इसे दो केन्द्र प्रशासित राज्यों जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में विभाजित किया था तो यह आश्वासन भी दिया था कि केन्द्र सरकार शीघ्र ही उचित समय पर जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देगी। श्री शाह ने यह वादा संसद के दोनों सदनों लोकसभा व राज्यसभा में विपक्ष की इस आलोचना के बाद दिया था कि स्वतन्त्र भारत के इतिहास में यह पहला मौका है कि जब भारतीय संघ के किसी प्रदेश का स्तर बजाये बढ़ाने के बजाये घटाया जा रहा है। इस मुद्दे पर संसद में विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने राज्य की प्रमुख क्षेत्रीय पार्टियों नेशनल कान्फ्रेंस व पी.डी.पी. के साथ मिलकर मोदी सरकार को घेरा था खास कर राज्यसभा में पूर्व गृहमन्त्री श्री पी. चिदम्बरम ने श्री शाह की तीखी आलोचना की थी और कहा था कि मोदी सरकार के इस कार्य को देश की जनता सामान्य ढंग से नहीं देखेगी क्योंकि आजाद भारत में किसी भी राज्य का दर्जा पहली बार घटाया गया है।

जम्मू-कश्मीर के पाकिस्तान से लगे होने की वजह से इस राज्य के लोगों को जो विशेषाधिकार इसके भारतीय संघ में विलय होने के बाद दिये गये थे उन्हें वापस ले लिया गया है और पूर्ण राज्य का दर्जा भी समाप्त कर दिया गया है। कुल मिला कर कांग्रेस पार्टी 370 हटाये जाने के भी विरुद्ध थी। परन्तु राज्यसभा में 2019 में भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों की कम संख्या होने के बावजूद सरकार को संविधान संशोधन हेतु आवश्यक बहुमत प्राप्त हो गया था क्योंकि विपक्षी पार्टियों ने भी इस मुद्दे पर सरकार का साथ दिया था। इस प्रकार हम देखते हैं कि 370 हटाने के मुद्दे पर बाद में कांग्रेस पार्टी के भीतर से भी इसके पक्ष में आवाज उठने लगी और एक प्रकार से भारत में कुछ क्षेत्रीय दलों को छोड़कर इस मुद्दे पर सर्वसम्मति जैसी हो गई। यह मामला सर्वोच्च न्यायालय भी गया जहां से फैसला भी सरकार के पक्ष में आया। इस तरह जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने के मामले में पूरा भारत एक नजर आया परन्तु इस राज्य का दर्जा क्षेत्रफल कम करने के साथ ही इसका दर्जा कम करने के मुद्दे पर भारत के लोगों की राय शुरू से ही सरकार के मत से अलग थी। इस हकीकत को गृहमन्त्री श्री शाह भी जानते थे अतः उन्होंने संसद के पटल पर ही वादा किया कि वह उचित समय आने पर जम्मू-कश्मीर का दर्जा पूर्ण राज्य का कर देंगे। इस वाकये को अब छह साल होने जा रहे हैं और इस बीच इस अर्ध राज्य में कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम हो चुके हैं। इस दौरान पंचायत चुनाव से लेकर स्थानीय निकायों के चुनाव हो चुके हैं और राज्य की सीमित अधिकारों वाली विधानसभा के चुनाव भी हो चुके हैं। तदनुरूप प्रदेश में राज्यपाल के स्थान पर उपराज्यपाल की नियुक्ति बहुत पहले से ही चल रही है।

2024 में हुए विधानसभा चुनावों में राज्य में फारूक अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कान्फ्रेंस ने कांग्रेस के साथ मिल कर चुनाव लड़ा जिसमें उसे पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ। अतः श्री फारूक के पुत्र व पूर्व मुख्यमन्त्री श्री उमर अब्दुल्ला राज्य के नये मुख्यमन्त्री बने। कांग्रेस ने उनके मन्त्रिमंडल में शामिल होने से इस वजह से इनकार कर दिया कि जम्मू-कश्मीर पूर्ण राज्य नहीं है। अतः वह तब तक मन्त्रिमंडल में शामिल नहीं होगी जब तक कि इसे पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता है। श्री उमर अब्दुल्ला ने मुख्यमन्त्री बनते ही यह मांग करनी शुरू कर दी कि जम्मू-कश्मीर को संघ के अन्य राज्यों की मानिन्द ही बराबर के अधिकार दिये जायें। उनकी पार्टी नेशनल कान्फ्रेंस के अलावा विपक्षी पार्टी पीडीपी व कांग्रेस भी इस मांग के समर्थन में पूर्णतः हैं। वैसे भाजपा भी इसका विरोध नहीं कर रही है मगर यह कह रही है कि परिस्थितियों के सर्वथा अनुकूल होने के बाद केन्द्र सरकार प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा दे देगी। परन्तु पिछले कुछ दिनों से उमर अब्दुल्ला की नेशनल कान्फ्रेंस पार्टी के कार्यकर्ता दिल्ली के जन्तर-मन्तर पर अपनी मांगों के समर्थन में धरने पर बैठे हुए हैं। इसके समानान्तर उमर अब्दुल्ला ने केन्द्र पर आरोप लगाया है कि वह उनकी सरकार को पलट देना चाहता है। इससे अन्दाजा लगाया जा सकता है कि पूर्ण राज्य के दर्जे के मामले पर अब केन्द्र व राज्य के बीच ठन गई है।

श्री अब्दुल्ला कह रहे हैं कि वह 2024 से मुख्यमन्त्री बनने के बाद से ही यह मांग पुरजोर तरीके से उठा रहे हैं मगर केन्द्र के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। इससे पहले जब 2024 में सीमित अधिकारों वाली विधानसभा के लिए चुनाव होने थे तो शुरू में राज्य के क्षेत्रीय दल इनका बायकाट करने का रुख दिखा रहे थे मगर उस समय नेशनल कान्फ्रेंस ने चुनावों में भाग लेने की घोषणा करके भारतीय संविधान व राष्ट्र के प्रति अपने समर्पण का परिचय दिया था। लेकिन अब उमर अब्दुल्ला कह रहे हैं कि वह अपनी पूर्ण राज्य की मांग को लेकर क्या अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने जायें अथवा राष्ट्र संघ से गुहार लगायें? उनका यह कथन राष्ट्रहित में नहीं कहा जा सकता। इसके साथ ही श्री अब्दुल्ला यह भी कह रहे हैं कि 20 जुलाई से संसद का सावन सत्र (मानसून सत्र) शुरू हो रहा है अतः इस दौरान दिल्ली में हम अपने विरोध के कुछ नये तरीके भी ईजाद कर सकते हैं। असली सवाल यह है कि जब जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया ही जाना है तो इस बारे में केन्द्र व राज्य के बीच सहमति बनाकर क्यों न एक समयबद्ध कार्यक्रम तय किया जाये।

प्रधानमंत्री मोदी को मिले पुरस्कारों पर गार्जियन की हताशा

योगेंद्र योगी

दा गार्जियन अखबार ने मोदी और भारत की छवि धूमिल करने के लिए एक अंग्रेजी मे एक लेख लिखा। जिसका सारांश यह है कि कोई झूठे भी पुरस्कार देने के लिए बुलाए तो प्रधानमंत्री मोदी दौड़े दौड़े चले जाते हैं। मतलब यह अखबार कहना चाह रहा कि मोदी पुरस्कार के भूखे हैं, साथ ही यह भी जताने की कोशिश कर रहा है, जिन देशों ने मोदी को उनकी विदेश यात्रा के दौरान पुरस्कार दिए, उनकी कोई प्रतिष्ठा नहीं हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी को इन देशों ने फिजूल में पुरस्कार दिए हैं। गार्जियन ने यह लेख लिख कर मोदी सहित भारत का तो अपमान किया ही है, साथ मोदी को पुरस्कार देने वाले उन देशों के नागरिकों, पुरस्कारों और उन देशों के राष्ट्रप्रमुखों का भी अपमान किया है।

इस लेख की भड़ास के बावजूद पीएम मोदी को पुरस्कारों का सिलसिला थम नहीं रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच सम्मान 'बिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' मेडल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पीएम मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रदान किया। वर्ष 2016 से अब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एशिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका के देशों से ऐसे 34 सम्मान मिल चुके हैं। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री को मिले सम्मानों में सबसे अधिक हैं। इनमें से कुछ सम्मान सदियों पुराने हैं, जबकि कुछ सम्मान संबंधित देशों की सम्मान प्रणाली में हाल ही में शामिल किए गए हैं।

गार्जियन का यह लेख में भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का कुत्सित प्रयास है। विश्व का बड़ा और प्रभावशाली शायद ही कोई देश बचा होगा जिसके प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति ने मोदी और भारत की तारीफ नहीं की होगी। दरअसल यह तारीफ पाश्चात्य मीडिया पचा नहीं पा रहा है, पचा इसलिए भी नहीं पा रहा है कि भारत न सिर्फ घरेलू स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तरक्की के झंडे गाढ़ रहा है। चंद्रयान और मंगलयान मिशन की कामयाबी इसके बड़े उदाहरण हैं। जो विकसित देश भी हासिल नहीं कर सके। यह अखबार यह भी भूल गया कि जब कोरोना काल में पूरी दुनियां में

हाहाकार मचा हुआ था, तब भारत ने ही कोरोना वैक्सीन दर्जनों देशों को निशुल्क भेज कर करोड़ों लोगों की जाने बचाने का काम किया था। क्या ऐसे परोपकारी कार्यों के लिए उन्हें विदेशी पुरस्कार नहीं दिया जा सकता।

गार्जियन ने इसका जिक्र कभी नही किया कि विश्व को मोदी नेतृत्व में भारत ने क्या-क्या दिया है। भारत की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस जैसी सस्ती और सुलभ डिजिटल पेमेंट प्रणाली नेपाल, भूटान, सिंगापुर, यूएई और मॉरीशस ने अपना लिया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत की प्राचीन धरोहर योग को मोदी सरकार के प्रयासों से वैश्विक मान्यता मिली?संयुक्त राष्ट्र द्वारा हर वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। मोदी सरकार के प्रयासों से ही अफ्रीकी संघ को जी-20 का स्थायी सदस्य बनाया गया। भारतीय नौसेना ने हालिया समुद्री सुरक्षा अभियानों में 520 से अधिक लोगों की जान बचाई है और ईरान, लाइबेरिया, माल्टा, और सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनाडाइन्स जैसे विभिन्न देशों के झंडे वाले जहाजों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित मुक्त कराया है। इन अभियानों की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि नौसेना ने बिना किसी राष्ट्रीय भेदभाव के, पाकिस्तानी और ईरानी नागरिकों सहित कई देशों के नाविकों को भी बचाया है।

गार्जियन खासकर विदेशी मीडिया को कथित मानवाधिकारों के उल्लंघन पर भारी परेशानी है। भारत में उन्हें यह उल्लंघन नजर आता है। अंग्रेजों ने भारत पर 200 साल राज किया। अंग्रेज शासकों ने इस अवधि में भारतीयों पर अत्याचारों के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। अंग्रेज व्यापारी बन कर आए और तानाशाह बन बैठे, खूब लूट खसौट की और भारत से सारा मालमत्ता समेट कर चंपत हो गए। आज भी कोहिनूर का हीरा इन्हीं अंग्रेजों के पास है, जो यह बताता है कि किस तरह इन्होंने भारत में लूटपाट मचाई थी। ऐसे मानवाधिकारों के उल्लंघन गार्जियन जैसे अखबारों को दिखाई नहीं देते। मानवाधिकारों के इन विदेशी पैरोकारों को जलियांवाला बाग दिखाई नहीं देता, जहां निहत्थे प्रदर्शकारियों को चारों तरफ से घेर कर एक अंग्रेज अधिकारी डायर ने गोलियों से भून डाला था। गार्जियन को यह कभी दिखाई नहीं दिया कि किस तरह केंद्र सरकार मुसलमानों की भलाई का एक ऐतिहासिक काम किया, जिसे करने से पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री डरते रहे। देश की करोड़ों मुस्लिम महिलाओं को तलाक के बाद मिलने वाला कानून हक दिलवाया है। जिन्हें पहले पति तीन बार तलाक तलाक बोल कर धक्के खाने के लिए छोड़ दिया जाता था।

विदेशी अखबारों को तकलीफ हो रही है कि मोदी राज में कैसे मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, जब भारत ने ऐसे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया तब खीझ उतारने के लिए कह दिया कि मोदी पुरस्कार के लिए दौड़े चले आते हैं। जिला स्तर, वार्ड स्तर, रायस्तर या राष्ट्रीय स्तर पर सरकारी और निजी क्षेत्र में पुरस्कार के लिए कितने पापड़ बेलने पड़ते हैं, इन्हें पाने के लिए लोग अपनी पूरी उम्र खपा देते हैं। उसमें भी जबरदस्त प्रतिस्पर्धा होती है, तब कहीं जाकर किसी एक का चयन किया जाता है। ऐसे में देशों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिये जाने वाले पुरस्कार का मापदंड कितने कठोर होगा, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। इन पुरस्कारों में पुरस्कार देने वाली सरकार के साथ उन देशों के करोड़ों लोगों की भावनाएं भी जुड़ी होती हैं। चलो मान भी लिया जाए कि किसी एक देश ने भारत से कुछ फायदा लेने के लिए कोई पुरस्कार दे दिया होगा, पर मोदी को तो दर्जनों देशों के सर्वोच पुरस्कार मिले हैं, तो क्या इन सब देशों को मोदी फायदा पहुंचाएंगी, वो भी सिर्फ एक पुरस्कार के कारण, यदि ऐसा हुआ होता तो अब तक देश में तूफान आ जाता, विपक्षी दलों ने आसमान सिर पर उठा लिया होता।

बात पते की

मासाब मारते नहीं, कुचरते थे

देव शंकर अवस्थी

बेंगलुरु से खबर आई कि एक आठवीं की छात्रा अपने टीचर की डांट से इतनी दुखित हुई कि उसने आत्महत्या कर ली। उसने सुसाइड नोट में लिखा कि वह टीचर की डांट सहन नहीं कर पाई। अब बताओ.. दुनिया कहां से कहां चली गई। शिक्षक क्लास में बच्चों को डांट भी नहीं सकते। .. और बच्चे भी इतने भावुक कि जान की परवाह नहीं की। हालांकि, शिक्षक और छात्र के बीच रिश्ते भी पहले जैसे नहीं रहे। शराब पीकर स्कूल जाने वाले सरकारी शिक्षकों के मामले बढ़े हैं, जबकि टीचर द्वारा बच्चों से मारपीट की घटनाएं भी सुनने मिलतीं हैं। यदि टीचर ने बच्चे को मार दिया तो अभिभावक लड़ने खड़े हो जाते हैं। कई मामलों में तो टीचर्स को पुलिस, कचहरी तक जाना पड़ा। .. और एक वो दिन थे, जब मासाब के दो-चार लपाड़े मारपीट की श्रेणी में नहीं आते थे। हाथों में दस-बीस रूल, छड़ी की बौछार, पीठ में अनगिनत टिल्ले, कान सुन्न कर देने वाले थप्पड़, बालों को पकड़कर पैरों में पड़ने वाले बेशरम और मेहंदी के बुदरा, घंटों तक मुर्गा, घुटनों के बल कंकड़ों में चलाना..आदि। इतनी सजा मात्र से छुटकारा नहीं मिलता था। पिताजी को स्कूल लेकर आने का मतलब, फिर डांट-डपट और दो-चार तमाचे। कुछ मासाब तो केवल पीटने के लिए बने थे। वे पढ़ाते कम, पीटते ज्यादा रहे। मासाब अगर अचानक सामने आकर खड़े हो जाएं तो डर के मारे रोंगटों में सरसराहट हो जाए। भले ही घर में उतना किसी का डर ना हो लेकिन मासाब के नाम का भय रहता था। उस दौर में जो भी, जितना भी पढ़े, बिना कोचिंग, बिना गाड़ी, एक जोड़ी ड्रेस के अलावा मासाब की डांट-मार, समझाइश और उनके कक्षा में पढ़ाने मात्र से पढ़ते चले गए। निस्वार्थ भाव से चली मासाब की छड़ी ने शिक्षा, संस्कार, मर्यादा और अनुशासन का खूब पाठ पढ़ाया। जैसे-जैसे मासाब की छड़ी की आवाज धीमी होती गई, संस्कार, मर्यादा और अनुशासन के मायने कागजी होते गए। दौलत की बदौलत खरीदी शिक्षा ने ऊंचाइयां तो बहुत दीं लेकिन मानवता का ककहरा पढ़ाने वाली इबारत कहीं पीछे छूटती चली गई।

पुलिस का मारा..एसआई बेचारा

छतरपुर सिविल लाइन थाने का एक मामला काफी चर्चित रहा, जिसमें इसी थाने के एसआई के परिवार ने थाने में धरना दे दिया। घटना के अनुसार इसी थाने में पदस्थ एसआई की जब रिपोर्ट नहीं लिखी गई तो उसे धरना देकर न्याय की गुहार लगानी पड़ी। घटना कुछ ऐसी रही कि एसआई के बेटे की उसी के थाना अंतर्गत सड़क हादसे में मौत हो गई। पुलिस पर आरोप है कि उसने दुर्घटनाग्रस्त कार तो थाना में खड़ी कर ली लेकिन दुर्घटना करने वाले ट्रक को छोड़ दिया। इस मामले की शिकायत एसआई परिवार ने जनसुनवाई में की, फिर थाने में धरना दिया, तब कहीं एफआईआर लिखी गई। इस मामले में थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित पक्ष देर से आया इसलिए ट्रक छोड़ना पड़ा। बहरहाल, इस घटना के बाद यह चर्चा बहुत रही कि ऐसा कौन सा कारण था कि एसआई को भी धरने का सहारा लेना पड़ा।

... और अंत में

प्रेम परम पावन इस जग में, सींचो, सींचो, सींचो रे।
प्रेम से बड़ा न जग में दूजा, चारों पहर उलीचो रे।।

हितकारिणी विद्यालय के पूर्व प्राचार्य एवं कवि स्व. विष्णुप्रसाद पांडेय ने भी प्रेम की अदभुत व्याख्या की। प्रेम के बूते हर कुछ जीता जा सकता है। ऐसा ही मामला गुजरात, भावनगर के जंगल में सामने आया। पशुपालक कालूराम अपने मवेशियों को चारा डालने गया तो शेरनी ने हमला कर दिया। शेरनी ने कालूराम के हाथ को अपने जबड़े और पैरों को पंजों से जकड़ लिया। कालूराम बहुत चीखा-चिल्लाया, छुड़ाने का प्रयास किया लेकिन शेरनी दबोचती ही गई। अंत में कालूराम ने दूसरे हाथ से शेरनी के सिर को सहलाना शुरू कर दिया। दस मिनट तक वह सहलाता ही रहा। ..और अंत में जो हुआ, वह आश्चर्यजनक था। शेरनी ने अपनी पकड़ ढीली की और कालूराम को छोड़कर जंगल में भाग गई।

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि शुरू: नौका पर आयी माता रानी चतुर्थी तिथि का होगा क्षय, नवमी दो दिन रहेगी

आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि का शुभारंभ 15 जुलाई बुधवार से हुआ। इस वर्ष गुप्त नवरात्रि कई विशेष संयोगों के साथ मनाई जाएगी। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस बार चतुर्थी तिथि का क्षय होगा, जबकि नवमी तिथि दो दिनों तक रहेगी। साथ ही मान्यता के अनुसार माता रानी का आगमन नौका पर होगा, जिसे जनकल्याण, सुख-समृद्धि, अच्छी वर्षा और कृषि के लिए शुभ संकेत माना जाता है।

ज्योतिषाचार्य हुकुमचंद-हिमांशु जैन ने बताया कि आषाढ़ गुप्त नवरात्रि की घट स्थापना 15 जुलाई (बुधवार) को प्रतिपदा तिथि में की जाएगी। प्रतिपदा तिथि 14 जुलाई (मंगलवार) को दोपहर 3:13 बजे प्रारंभ होकर 15 जुलाई को पूर्वाह्न 11:51 बजे तक रहेगी।

घट स्थापना

15 जुलाई (बुधवार) को प्रातः 5:33 से 10:09 बजे तक रह।

चतुर्थी तिथि का होगा क्षय

इस वर्ष गुप्त नवरात्रि में चतुर्थी तिथि का क्षय हो रहा है। इसके कारण 17 जुलाई (शुक्रवार) को तृतीया और चतुर्थी दोनों तिथियां रहेंगी। वहीं नवमी तिथि 22 और 23 जुलाई दोनों दिन रहेगी। 23 जुलाई (गुरुवार) को गुप्त नवरात्रि का समापन होगा।

नौका पर होगा माता रानी का आगमन

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस बार माता रानी नौका पर सवार होकर आएंगी। शास्त्रों में देवी का नौका पर आगमन अत्यंत शुभ माना गया है। यह जनकल्याण, सुख-शांति, समृद्धि, उत्तम वर्षा, कृषि में उन्नति और मंगलकारी परिणामों का प्रतीक माना जाता है।

गुप्त नवरात्रि का महत्व

वर्षभर में चार नवरात्रियां मनाई जाती हैं, जिनमें आषाढ़ और माघ की नवरात्रियों को गुप्त नवरात्रि कहा जाता है। चैत्र और शारदीय नवरात्रि की तरह इनमें सार्वजनिक आयोजन कम होते हैं। यह पर्व विशेष रूप से मां दुर्गा की गुप्त साधना, दुर्गा सप्तशती पाठ, तंत्र-मंत्र साधना, हवन और उपासना के लिए समर्पित माना जाता है। इन नौ दिनों में देवी की दस महाविद्याओं की आराधना का विशेष महत्व है। मान्यता है कि विधि-विधान से की गई साधना से साधकों को देवी की विशेष कृपा प्राप्त होती है तथा जीवन के संकट दूर होकर मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

देवी की दस महाविद्याओं की होगी पूजा:-

नवरात्र में काली, तारा, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, भैरवी, छिन्नमस्ता, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला की पूजा होगी।

भगवान जगन्नाथ एकांतवास से आज बाहर आएंगे, देंगे भक्तों को दर्शन

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

शहर से 20 किलोमीटर दूर ग्राम कुलैथ में भगवान जगन्नाथ 15 जुलाई बुधवार को एकांतवास से बाहर आएंगे और भक्तों को दर्शन देंगे। वहीं इस्कॉन मंदिर के तत्वावधान में मानिक विलॉस कॉलोनी में भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलराम भी एकांतवास से बाहर आएंगे। इस मौके पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। कुलैथ मंदिर के पुजारी किशोरीलाल श्रीवास्तव के पुत्र भानु श्रीवास्तव ने बताया कि भगवान के एकांतवास से बाहर आते ही उनका अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन होगा। शाम के समय मंदिर 11 चावल से भरे घट फोड़े जाएंगे। 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जाएगी। वहीं इस्कान मंदिर के महेन्द्र प्रभू ने बताया कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा 18 जुलाई को शाम 4 बजे जीवाजी क्लब से निकाली जाएगी। जिसमें विदेशी भक्त भी शामिल होंगे।

आंखों की रोशनी और मस्तिष्क भी पूरी तरह सुरक्षित

त्रिशूल आंख से होता हुआ ब्रेन में धंसा, जेएएच में पांच घंटे चला ऑपरेशन, 14 वर्षीय शिवम की बची जान

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जयारोग्य अस्पताल (जेएएच) के चिकित्सकों ने एक ऐसी जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है, जिसे चिकित्सा क्षेत्र की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। न्यूरोसर्जरी और जनरल सर्जरी विभाग की संयुक्त टीम ने 14 वर्षीय शिवम आदिवासी के सिर में धंसे त्रिशूल को सुरक्षित निकालकर न केवल उसकी जान बचाई, बल्कि उसकी आंखों की रोशनी और मस्तिष्क की कार्यक्षमता भी पूरी तरह सुरक्षित रखी। चिकित्सकों के अनुसार इस तरह की गंभीर चोट और इतने जटिल ऑपरेशन का यह अपने प्रकार का पहला मामला है।

छतरपुर जिले के किशनगढ़ (झरकुआ) गांव निवासी शिवम अपने दोस्तों के साथ घर की छत पर खेल रहा था। खेलते समय उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे बने माता मंदिर के चबूतरे पर लगे त्रिशूल पर जा गिरा। हादसा इतना भयावह था कि त्रिशूल उसकी बाईं आंख के बाहरी हिस्से से प्रवेश करते हुए सीधे मस्तिष्क को चीरता हुआ फ्रंटल बोन तक पहुंच गया। वहीं दूसरा त्रिशूल उसके बाएं पैर में गहराई तक धंस गया। गंभीर हालत में पहले उसे स्थानीय अस्पताल, फिर जिला अस्पताल छतरपुर ले जाया गया, जहां से 25 जून को जेएएच ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया।

दो विभागों की संयुक्त टीम ने पांच घंटे तक लड़ी जिंदगी की जंग

26 जून को न्यूरोसर्जरी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. अविनाश शर्मा के नेतृत्व में न्यूरोसर्जरी और जनरल सर्जरी विभाग की संयुक्त टीम ने ऑपरेशन शुरू किया। सबसे पहले खोपड़ी की हड्डी को सावधानीपूर्वक हटाया गया। इसके बाद बाहर निकले बाण के हिस्से को विशेष कटर से काटा गया और फिर मस्तिष्क में धंसे हिस्से को मिलीमीटर स्तर की सटीकता के साथ बाहर निकाला गया। पूरे ऑपरेशन के दौरान दो अलग-अलग मेडिकल टीमें लगातार निगरानी करती रहीं। एक टीम सिर की ओर से और दूसरी नीचे की ओर से बाण की स्थिति पर नजर रखे हुए थी, ताकि आंख, मस्तिष्क और प्रमुख रक्त वाहिकाओं को किसी प्रकार की क्षति न पहुंचे।

जेएएच पहुंचने पर चिकित्सकों ने जब बच्चे की स्थिति देखी तो पूरा मामला बेहद संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण नजर आया। त्रिशूल आंख के बेहद करीब से होते हुए मस्तिष्क तक पहुंच चुका था। यदि इसे निकालने में मामूली सी चूक होती तो आंख की रोशनी जा सकती थी, मस्तिष्क की नसें क्षतिग्रस्त हो सकती थीं या अत्यधिक रक्तस्राव से जान भी जा सकती थी। इसलिए ऑपरेशन से पहले चिकित्सकों ने नॉन-कॉन्ट्रास्ट सीटी स्कैन, सीटी एंजियोग्राफी, वेनोग्राफी, पैर का एक्स-रे और कलर डॉप्लर सहित कई महत्वपूर्ण जांचें कराईं। इन जांचों से त्रिशूल की सटीक स्थिति और उससे जुड़े संभावित जोखिमों का आकलन किया गया।

संक्रमण रोकना भी किसी चुनौती से कम नहीं था

त्रिशूल निकालने के बाद चिकित्सकों के सामने दूसरी बड़ी चुनौती मस्तिष्क और आंख की हड्डी के बीच बने छिद्र को बंद करने की थी। यदि इसे पूरी तरह सील नहीं किया जाता तो मस्तिष्कमेरु द्रव (सीएसएफ) का रिसाव और गंभीर संक्रमण का खतरा बना रहता। विशेषज्ञों ने विशेष सर्जिकल तकनीक का उपयोग कर छिद्र को सफलतापूर्वक बंद किया। इसके बाद शिवम को दो सप्ताह तक आईसीयू में रखकर हाई-एंड एंटीबायोटिक उपचार और लगातार निगरानी में रखा गया। अब शिवम पूरी तरह स्वस्थ है। उसके हाथ-पैर सामान्य रूप से काम कर रहे हैं और सबसे बड़ी राहत यह है कि उसकी आंखों की रोशनी भी सुरक्षित है। मंगलवार को उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

झूलेलाल चालीहा महोत्सव आज से, 40 दिन होगी आराधना

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

सिंधी समाज के आराध्य देव भगवान झूलेलाल का 40 दिवसीय चालीहा उपासना महोत्सव 16 जुलाई से प्रारंभ होकर 25 अगस्त तक चलेगा। सिंधी समाज के प्रमुख धार्मिक पर्वों में शामिल इस महोत्सव के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु 40 दिनों का कठिन व्रत एवं तप करेंगे। वहीं कई श्रद्धालु परंपरा के अनुसार पहले नौरेजा और अंतिम नौरेजा का उपवास रखेंगे। इस अवसर पर शहर के दानाओली एवं माधौगंज स्थित भगवान झूलेलाल मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन होंगे।

झूलेलाल कल्चरल सोसाइटी के कन्वीनर श्रीचंद पंजाबी एवं भीष्म पमनानी ने बताया कि सिंधी समाज में चेटीचंड के बाद चालीहा पर्व सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक उत्सव माना जाता है। जो श्रद्धालु यह व्रत करते हैं, वे पूरे 40 दिनों तक पूरी श्रद्धा और अनुशासन के साथ भगवान झूलेलाल की उपासना करते हैं। उन्होंने बताया कि व्रत के दौरान श्रद्धालु मांसाहार, मदिरा और सभी प्रकार के व्यसनों से दूर रहते हैं। व्रती दाढ़ी एवं बाल नहीं कटवाते, एक समय बिना चिकनाई वाला सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं, पैरों में चप्पल नहीं पहनते तथा पलंग पर सोने के स्थान पर जमीन पर विश्राम करते हैं। यह व्रत नवरात्रि की साधना की तरह नियम और संयम के साथ किया जाता है।

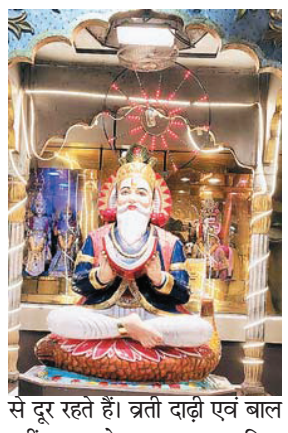

पहले दिन होंगे विशेष धार्मिक आयोजन

महोत्सव के प्रथम दिन 16 जुलाई को प्रातः 8 बजे भगवान झूलेलाल का जलाभिषेक एवं पंचामृत स्नान कराया जाएगा। इसके बाद सुबह 9 बजे हवन-पूजन, 11 बजे झंडा वंदन एवं महाआरती होगी। धार्मिक कार्यक्रमों के पश्चात श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

शोभायात्रा के साथ स्थापित होगी भगवान झूलेलाल की प्रतिमा

दानाओली स्थित श्री झूलेलाल मंदिर के प्रमुख विजय लुधानी एवं अध्यक्ष किशोर वाधवानी ने बताया कि भगवान झूलेलाल की प्रतिमा को शोभायात्रा के साथ मंदिर लाकर 40 दिनों के लिए स्थापित किया जाएगा। प्रातः झंडा वंदन और जलाभिषेक के बाद शाम को बहिराणा साहब की पूजा एवं महाआरती होगी। वहीं माधौगंज स्थित झूलेलाल मंदिर के प्रमुख दिलीप ठाकुर एवं डॉ. रमेश पंजवानी ने बताया कि वहां भी भगवान झूलेलाल की प्रतिमा शोभायात्रा के साथ मंदिर में स्थापित की जाएगी। दोनों मंदिरों में 40 दिनों तक प्रतिदिन शाम को महाआरती एवं विशेष पल्लव अरदास का आयोजन किया जाएगा।

जेसीआई सुरभि की पूल पार्टी में जमकर की मस्ती

ग्वालियर। जेसीआई ग्वालियर सुरभि द्वारा गत दिवस इम्पीरियल गोल्फ रिसोर्ट में पूल पार्टी का आयोजन किया गया। मनोरंजन, आपसी सौहार्द और टीम भावना को समर्पित इस आयोजन में संस्था की सदस्यों ने संगीत, नृत्य, खेल और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का भरपूर आनंद लिया। सदस्य ड्रेस कोड ब्लू जींस, व्हाइट टी-शर्ट और बांधनी दुपट्टे में नजर आए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रीतिका गुप्ता रहीं। कार्यक्रम में तंबोला, सरप्राइज गेम्स और अन्य मनोरंजक गतिविधियों ने सभी का भरपूर मनोरंजन किया। अध्यक्षता बरखा नामदेव ने की। इस अवसर पर प्रीति अग्रवाल, नीलम अग्रवाल, अनीता गुप्ता और आशा गुप्ता आदि उपस्थित रहीं।

छात्रावास की समस्याओं को लेकर छात्रों ने कुलसचिव को घेरा

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट छात्रावास की समस्याओं को लेकर छात्रों ने मंगलवार को कुलसचिव का घेराव कर दिया। छात्रों का कहना था कि छात्रावास में पानी की मोटर खराब है, इसलिए विद्यार्थियों को पानी मिलने में असुविधा हो रही है। पंखे भी खराब हैं जिसकी वजह से छात्र रात को सो भी नहीं पा रहे हैं। कुलसचिव राजीव मिश्रा ने छात्रों की बात सुनकर जल्द ही समस्याओं का निराकरण करने का आश्वासन दिया।

सलोनी जैन का ईपीएफओ कार्यालय में सम्मान

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

शहर की होनहार छात्रा सुश्री सलोनी जैन ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी प्रवेश परीक्षा (एनआईएफटीईई) में ऑल इंडिया कॉमन मेरिट रैंक (एआईसीएमआर)-106 हासिल कर ग्वालियर और मध्यप्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उनकी इस शानदार उपलब्धि पर कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जहां रीजनल कमिश्नर सत्यवर्धन गौतम ने उन्हें शील्ड भेंट कर सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सलोनी जैन, प्रदीप जैन की सुपुत्री हैं। इस अवसर पर श्री गौतम ने कहा कि देश की सबसे प्रतिष्ठित और प्रतिस्पर्धी प्रवेश परीक्षाओं में इतनी शानदार राष्ट्रीय रैंक प्राप्त करना सलोनी की असाधारण प्रतिभा, कठिन परिश्रम और अनुशासित तैयारी का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल सलोनी और उनके परिवार की नहीं, बल्कि पूरे ग्वालियर और मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है। ऐसी सफलताएं समाज में सकारात्मक संदेश देती हैं और विशेष रूप से छात्राओं को बड़े सपने देखने तथा उन्हें पूरा करने के लिए प्रेरित करती हैं। श्री गौतम ने बताया कि ईपीएफओ, क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को लगातार सम्मानित और प्रोत्साहित करता रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं का उत्साहवर्धन करना और उन्हें अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है। सम्मान प्राप्त करने के बाद सलोनी जैन ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए बेहद प्रेरणादायक है। इससे उन्हें अपने लक्ष्य की दिशा में और अधिक मेहनत तथा उत्कृष्टता के साथ आगे बढ़ने की नई ऊर्जा मिली है।

एयरपोर्ट पर शुरू हुई प्राथमिक चिकित्सा सुविधा, बीआईएमआर करेगा संचालन

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

ग्वालियर सिविल एयरपोर्ट पर यात्रियों और विमानतल कर्मियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्राथमिक चिकित्सा सुविधा शुरू कर दी गई है। इसके लिए एयरपोर्ट परिसर में आधुनिक चिकित्सा कक्ष स्थापित किया गया है, जिसका संचालन बीआईएमआर हॉस्पिटल, ग्वालियर द्वारा किया जाएगा। मंगलवार को एयरपोर्ट प्रबंधन और बीआईएमआर हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में इस सुविधा का शुभारंभ किया गया। यह चिकित्सा कक्ष विमान संचालन के समय पूरी तरह सक्रिय रहेगा। इसका उद्देश्य यात्रा के दौरान किसी यात्री या ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी की तबीयत बिगड़ने पर तत्काल प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराना है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर समय रहते बेहतर चिकित्सा सहायता मिल सके। बीआईएमआर हॉस्पिटल प्रबंधन ने बताया कि एयरपोर्ट परिसर में एक अत्याधुनिक आईसीयू एंबुलेंस भी तैनात की गई है। किसी भी गंभीर आपात स्थिति में मरीज को तुरंत अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था रहेगी। इसके लिए प्रशिक्षित चिकित्सा दल और आवश्यक उपकरण उपलब्ध रहेंगे।

जीविवि के चरक उद्यान के पुनरुद्धार की जिम्मेदारी पेंशनर्स को सौंपी

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय के चरक उद्यान की देखरेख अब विश्वविद्यालय की पेंशनर्स एसोसिएशन करेगी। इसको लेकर जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलसचिव राजीव मिश्रा और पेंशनर्स एसोसिएशन के डॉ. डीएस चंदेल के बीच एमओयू भी हुआ। इसके साथ ही एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने चरक उद्यान की वर्तमान व्यवस्थाओं को भी देखा। इस मौके पर कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय गौशला की तर्ज पर चरक उद्यान को विकसित करना चाहता है। चरक उद्यान में नक्षत्र वाटिका, पंचवटी के पौधे आदि थे। लेकिन पिछले दिनों देखरेख के अभाव में यह नष्ट होने लगे थे। पेंशनर्स की मेहनत से चरक उद्यान फिर से हरा-भरा हो जाएगा।

लॉयंस क्लब ने रोपे 31 पौधे

ग्वालियर। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से लॉयंस क्लब ग्वालियर-आराध्या एवं लॉयंस क्लब ग्वालियर-अनुभूति के संयुक्त तत्वावधान में आदर्श आंगनवाड़ी, टापू मोहल्ला में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के 31 पौधे रोपे गए। जिसमें जामुन, पीपल और नीम शामिल रहे। कार्यक्रम में अजय सप्रा, राकेश अग्रवाल, राजेश वाटवानी आदि उपस्थित रहे।

जीविवि के विधि विभाग में हुआ दीक्षारंभ कार्यक्रम

नया बैच नया कीर्तिमान स्थापित करेगा : कुलगुरु

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

दीक्षारंभ केवल नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत नहीं, बल्कि आपके सपनों, संकल्पों और जिम्मेदारियों की नई यात्रा का प्रथम कदम है। विश्वविद्यालय आपको केवल डिग्री नहीं, बल्कि ऐसा ज्ञान, संस्कार और दृष्टिकोण प्रदान करता है जो आपको एक सफल पेशेवर के साथ-साथ संवेदनशील एवं जिम्मेदार नागरिक भी बनाता है। अपने माता-पिता व विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। यह नया बैच अपनी उपलब्धियों से नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। यह बात मंगलवार को कुलगुरु डॉ.राजकुमार आचार्य ने जीवाजी विश्वविद्यालय के विधि विभाग में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही। कार्यक्रम में विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें विधि शिक्षा के उद्देश्य, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका से अवगत कराया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. जी.के. शर्मा ने स्वागत भाषण में कहा कि विधि का अध्ययन केवल कानून की धाराएं याद करने तक सीमित नहीं है, बल्कि न्याय स्थापित करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि ज्ञान के साथ चरित्र और संवेदनशीलता भी आवश्यक है।अपने ज्ञान का उपयोग न्याय और मानवता की सेवा के लिए करना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित जिला न्यायालय के रजिस्ट्रार भूपेंद्र सिंह कुशवाह ने विद्यार्थियों से लगन, अनुशासन और सकारात्मक वातावरण के साथ अध्ययन करने का आग्रह किया।वहीं डीएसपी कृष्णपाल सिंह ने आत्मचिंतन और ज्ञानार्जन को जीवन की सफलता का आधार बताते हुए विद्यार्थियों को संस्थान से अधिकतम सीख लेकर जाने की प्रेरणा दी। प्रो. एस.के. सिंह ने विश्वविद्यालय को रैगिंग मुक्त परिसर बताते हुए विद्यार्थियों से रैगिंग का विरोध करने, समय का सदुपयोग करने और सोशल मीडिया का सीमित उपयोग करने की सलाह दी। प्रो. जे.एन. गौतम ने कहा कि व्यक्ति को पहले स्वयं का निर्माण करना चाहिए, तभी परिवार और राष्ट्र का सशक्त निर्माण संभव है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गुंजन सिंघल ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन प्रो. संजय कुलश्रेष्ठ ने किया। इस अवसर पर प्रो. जे.एन. गौतम, प्रो. संजय कुलश्रेष्ठ, डॉ. एस.के. सिंह, डॉ. जी.के. शर्मा, डॉ. रामशंकर सिंह सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पांच वर्ष तक के बच्चों की होगी घर-घर स्वास्थ्य जांच

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जिले में बच्चों को डायरिया और अन्य गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने 14 जुलाई से 31 अगस्त तक प्रथम चरण का स्टॉप डायरिया एवं दस्तक अभियान शुरू किया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम.एस. सागर ने बताया कि अभियान के तहत स्वास्थ्य एवं महिला-बाल विकास विभाग की संयुक्त टीमें घर-घर जाकर पांच वर्ष तक के सभी बच्चों की स्वास्थ्य जांच करेंगी। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रामकुमार गुप्ता ने बताया कि अभियान के दौरान गंभीर कुपोषण, एनीमिया, निमोनिया, निर्जलीकरण और संक्रमण की पहचान कर तत्काल उपचार एवं आवश्यकता होने पर रेफर किया जाएगा। बच्चों को विटामिन ए का घोल, छह माह से पांच वर्ष तक के बच्चों को आयरन-फोलिक अम्ल (आईएफए) की दवा तथा प्रत्येक बच्चे को दो ओआरएस पैकेट और 14 जिंक की गोलियां वितरित की जाएंगी। डॉ. सागर ने मैदानी कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि घर-घर भ्रमण के दौरान प्रत्येक मकान की मार्किंग करें, बच्चों की सूची, रेफरल पर्ची और आवश्यक दवाएं साथ रखें। साथ ही दस्त से पीड़ित बच्चों में निर्जलीकरण और खतरे के लक्षणों की पहचान निर्णय सहायता प्रणाली (डीएसएस) उपकरण के माध्यम से कर समय पर उपचार सुनिश्चित करें।

गीता के श्लोक

गीता सिर्फ धार्मिक ग्रंथ नहीं बल्कि जीवन का ऐसा दर्पण है जिसमें इंसान अपने भीतर के द्वंद्व को साफ-साफ देख सकता है। इसके श्लोक बताते है कि दुखों से घबराए बिना, कैसे शांत मन और मजबूत इरादों के साथ जीवन जिया जा सकता है। यह ग्रंथ जीवन के हर मोड़ पर सही दिशा देता है। आज की पीढ़ी कई मानसिक उलझनों से जूझ रही है जिनका सरल समाधान गीता के श्लोकों में है। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टाइन भी मानते थे कि अगर उन्होंने गीता पहले पढ़ी होती तो उनका जीवन कुछ अलग तरह का होता। गीता उपचार है, उपदेश नहीं। गीता के श्लोक ही काफी हैं जो हमें अंदर से मजबूत बना सकते हैं।

उद्धरेदात्मनात्मानं नात्मानमवसादयेत्।
आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः ।।
(अध्याय 6, श्लोक 5)

यह श्लोक मन को काबू रखने की जरूरत बताता है। इसका साफ संकेत है कि हर शख्स खुद का उद्धार करे। वह रचनात्मक विचारों व सकारात्मक सोच से आत्मउत्थान के लिए लगातार कोशिश करता रहे। कोई भी बाहरी दुश्मन उतना घातक नही हो सकता जितना हमारा अपना असंयमित मन। मन ही हमारा मित्र है और मन ही शत्रु। यहां मन का मतलब है- विचारो का निरंतर प्रवाह। आत्म सुधार के लिए जरूरी है कि हम अपने मन और उसमे उठने वाले विचारो को शुद्ध बनाने की कोशिश करें। आध्यात्मिक जीवनचर्या अपनाने से मन को विषय-भोगों के खिलाफ ट्रेनिंग देना आसान हो जाता है। मन और इंद्रियो की प्रवृत्ति ऐसी होती है कि अगर हम उन्हे एक इंच भी ढील दे तो वे एक मील तक फैल जाती है। लेकिन हम उन्हें दृढ़ निश्चय के साथ काबू में लाने की प्रैक्टिस करें तो वे शांत हो जाती है और हम आसानी से बेहतर इंसान बन सकते है। हर जीवात्मा में उन्नति की अपार क्षमता होती है, चाहे उसकी मौजूदा स्थिति जैसी भी हो।

जीवन प्रबंधन के कालजयी सूत्र...

हाल ही में श्रीमद्भगवद्गीता को यूनेस्को ने मेमरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया है। यह भारत की उस आध्यात्मिक चेतना का सम्मान है जो हजारों बरसों से दुनियाभर के लोगो को हर तरह की परिस्थिति में जीवन जीने का नजरिया दे रही है। श्रीमद्भगवद्गीता के ऐसे ही श्लोकों के आरे में बता रहे हैं

न जायते म्रियते वा कदाचिन्नायं भूत्वा भविता वा न भूयः।
अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो न हन्यते हन्यमाने शरीरे ।।
(अध्याय 2, श्लोक 20)

श्रीकृष्ण यहां बता रहे है कि मनुष्य की असल पहचान 5 तत्वों से बने उसके भौतिक शरीर से नहीं बल्कि उसमें मौजूद आत्मा से है। इसलिए योगेश्वर ने अर्जुन को गीता का ज्ञान देते समय सबसे पहले आत्मा का ज्ञान दिया आत्मा नित्य है, शाश्वत है, सत्य है और सनातन है। आत्मा न जन्म लेता है और न मरता है, केवल शरीर रूपी वस्त्र बदलता है। यही आध्यात्मिक ज्ञान का मूलमंत्र है। यही ज्ञान हमें अपने सभी तरह के डर, मोह, संशय और सीमाओं से परे ले जाता है। यह ज्ञान जीवन को अर्थपूर्ण, उद्देश्यपूर्ण और आनंदमय बनाता है। इस श्लोक से प्रेरित होकर अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने चुनौतीपूर्ण अंतरिक्ष मिशन को पूरा किया। सुनीता गीता को अपने साथ लेकर स्पेस में गई थीं। उन्होंने कहा है कि गीता के प्रति उनकी गहरी आस्था है।

क्रोधाद्भवति सम्मोहः सम्मोहात्स्मृतिविभ्रमः ।
स्मृतिभ्रंशाद् बुद्धिनाशो बुद्धिनाशात्प्रणश्यति ।।
(अध्याय 2, श्लोक 63)

इस श्लोक के जरिए कृष्ण हमें समझा रहे है कि अपनी काम-वासनाओं को हमेशा काबू में रखना चाहिए। ऐसा न करना उस शख्स के चारित्रिक पतन की वजह बनता है। शराबी कभी नहीं सोचता कि कभी-कभी ड्रिंक कर लेना एक दिन उसे इतनी मजबूती से जकड़ लेगा कि उसका लिवर खराब हो जाएगा। कभी-कभी इंटरनेट पर गलत चीजें देखने वाला यह अनुमान नहीं लगा पाता कि गलत वेबसाइट पर उसका अक्सर जाना उसे पोर्नोग्रफी की लत लगा देगा। दरअसल, काम की पूर्ति न होने पर इंसान के मन में गुस्सा पैदा होता है। गुस्से वाला शख्स मोह ग्रस्त हो जाता है यानी सही और गलत में अंतर नहीं कर पाता। मोह से उसकी याददाश्त भ्रष्ट/कमजोर हो जाती है यानी उसे अपनी पिछली गलतियों का एहसास नहीं होता। स्मृति भ्रष्ट होने से बुद्धि नष्ट हो जाती है।

श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं तत्परः संयतेन्द्रियः ।
ज्ञानं लब्ध्वा परां शान्तिमचिरेणाधिगच्छति ।।
(अध्याय 4, श्लोक 39)

इस श्लोक को महात्मा गांधी अपने जीवन का सूत्र मानते थे। उनके अनुसार, ज्ञान से सत्य की प्राप्ति होती है। ज्ञान सत्य की खोज का रास्ता है और यह श्रद्धा, विश्वास, जिज्ञासा और इंद्रियों के संयम से मिलता है। ज्ञान मिलने पर इंसान को शांति का अनुभव होता है। श्लोक का संदेश साफ है कि किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए श्रद्धा, विश्वास, तत्परता और आत्म अनुशासन जरूरी है। श्रद्धाहीन शख्स अपने चंचल मन और असंयमित इंद्रियों की वजह से लक्ष्य से भटक जाता है और जीवन में सफलता हासिल नहीं कर पाता है। जबकि श्रद्धावान, आत्मविश्वासी और आत्मसंयमी व्यक्ति संकल्पशक्ति और साहस से हर बाधा पार कर लेता है। इसी श्लोक से प्रेरणा लेकर पर्वतारोही अरुणिमा सिन्हा ने दिव्यांग होने के बावजूद माउंट एवरेस्ट फतह किया।

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते संगोऽस्त्वकर्मणि ।।
(अध्याय 2, श्लोक 47)

इस श्लोक को सफल हस्तियों आइंस्टाइन, आर्थर शोपेनहावर, अमिताभ बच्चन, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और बिल गेट्स ने अपने जीवन का मूलमंत्र माना। इन्होंने अपना ध्यान हमेशा अपने काम पर केंद्रित किया। न तो कर्मफल से मोह रखा और न ही अपने काम का अहंकार किया। दुनिया में हर शख्स को अलग-अलग तरह के काम करने होते है। लेकिन कई बार हम काम के परिणाम को लेकर शंका में रहते है। ऐसी स्थिति में काम से भागने के बजाय कर्म के सही विज्ञान को समझना जरूरी है। अब सवाल उठता है कि फल की इच्छा का त्याग कैसे करें? कृष्ण कहते है कि इंसान की यह इच्छा ही अशांति और डिप्रेशन को जन्म देती है। कर्म करना कर्ता के अधिकार में होता है। कर्म का फल उसके काबू में नहीं होता।

विहाय कामान्यः सर्वान्पुमांश्चरति निःस्पृहः ।
निर्ममो निरहङ्कारः स शान्तिमधिगच्छति ।।
(अध्याय 2, श्लोक 71)

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज ने इस श्लोक को अपने जीवन में उतारा और निष्काम कर्म करते हुए मानसिक सुकून व आत्मसंतुष्टि हासिल की। मौजूदा लाइफस्टाइल की वजह से एक के बाद एक चीजें हासिल करके अपनी भौतिक इच्छाओं और सांसारिक कामनाओं को हद से ज्यादा तरजीह देते हैं। इससे मानसिक अशाति और बेचैनी होने लगती है। लैरी पेज का मानना है कि हमारा मकसद सिर्फ पैसे कमाना और भौतिक संसाधन जुटाना ही होता तो हम अहंकार से भरी लग्जरी लाइफ बिता रहे होते। लेकिन हमने अपना मकसद चुनते हुए हुए लोगो की जिंदगी को आसान बनाने के लिए काम किया ताकि हम जीवनभर मानसिक शांति और आत्मसंतुष्टि महसूस कर सकें। भौतिक तरक्की का लालच अंतहीन दौड़ है।

युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु।
युक्तस्वप्नावबोधस्य योगो भवति दुःखहा ।।
(अध्याय 6, श्लोक 17)

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इस श्लोक को प्रेरणा का स्त्रोत मानते थे। उनका मानना था कि आहार और संयमित दिनचर्या ही कामयाबी की कुंजी है। भोजन, नींद और आराम शरीर की जरूरत है लेकिन इनका संतुलन जरूरी है। अगर ये बिगड़े तो आलस और लापरवाही हावी हो जाती है जिनसे शरीर और मन दोनों कमजोर पड़ते हैं। जो व्यक्ति खानपान और दिनचर्या को संतुलित रखता है, उसका जीवन दुखों से परे होता है। जीवन की सार्थकता सेहतमंद शरीर में है। यह श्लोक बताता है कि भोजन सात्विक हो, सोना-जागना नियमित हो और योग-व्यायाम भी अपने सामर्थ्य के अनुसार जरूर हो। तनाव पूर्ण समय में यह श्लोक सबके लिए मार्गदर्शक है।

योगस्थः कुरु कर्माणि सङ्गं त्यक्त्वा धनञ्जय।
सिद्ध्यसिद्ध्योः समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते ।।
(अध्याय 2, श्लोक 48)

कृष्ण कह रहे है-हे। धनंजय (अर्जुन) संसार में रहने वाले हर शख्स को चाहिए कि वह योग में स्थित होकर सफलता और असफलता के प्रति समभाव रखते हुए अपना कर्म करे। यहां पर योग का मतलब आसन या प्राणायाम नहीं है। यहां योग का अर्थ है-मुझमें (श्रीकृष्ण के प्रति) एकाग्रचित्त होकर अपने हर काम को कर्मयोग मान कर करें। चाहे काम का फल अनुकूल हो या प्रतिकूल, सम्मान और निंदा की चिंता किए बिना दृढ़ विश्वास के साथ काम करना ही योग है। इस तरह कर्तव्य का पालन करने से इसान को मन के मुताबिक फल की चाह नहीं होगी और मन के खिलाफ फल मिलने पर दुख नहीं होगा।

Career Education

एआई के दौर में नई नौकरियां

एआई से घबराना क्यों ? भविष्य में एआई की वजह से कई ऐसी आकर्षक नौकरियां पैदा होंगी, जहां आपका हुनर काम आएगा।

जवाबदेहिता के लिए

एआई के बढ़ते इस्तेमाल के साथ ही एआई ऑडिटर जैसे नए ओहदे सामने आएंगे। ये पेशेवर एआई के फैसलों को गहराई से समझेंगे, उनका विश्लेषण करेंगे और तकनीकी, कानूनी या स्पष्टीकरण के लिए दस्तावेज तैयार करने का काम करेंगे। इसी तरह एआई ट्रांसलेटर एआई की जटिलताओं को सरल भाषा में प्रबंधकों को समझाएंगे, ताकि वे सही निर्णय ले सकें। जैसे-जैसे एआई का प्रभाव बढ़ेगा, वैसे-वैसे विश्वसनीयता और जवाबदेहिता से जुड़े कई पदों जैसे फैक्ट-चेकर्स, कंप्लायंस ऑफिसर, ट्रस्ट डायरेक्टर पर भी नियुक्ति की जाएगी। एआई के फैसलों के तर्क और नैतिकता की जांच करने के लिए एआई एथिसिस्ट जैसे पद भी अस्तित्व में आएंगे।

जटिलता से जुड़ी नौकरियां

भविष्य में ऐसे लोगों की भारी मांग होगी, जो एआई की जटिलता को गहराई से समझते हों और उस ज्ञान को व्यावसायिक आवश्यकताओं के साथ जोड़ सकें। ऐसे विशेषज्ञों को एआई इंटीग्रेटर कहा जाएगा, जो कंपनी में एआई के सर्वोत्तम उपयोग को सुनिश्चित करेंगे। पूरे एआई सिस्टम की समस्याओं को खोजकर उसे ठीक करने की जिम्मेदारी एआई प्लंबर की होगी। नवीनतम व सर्वश्रेष्ठ एआई मॉडलों का मूल्यांकन करने के लिए एआई असेसर नाम से विशेष भूमिकाएं होंगी। इन्सानों के लिए एआई ट्रेनर भी एक जरूरी भूमिका होगी, जो कंपनी के सबसे उपयुक्त डाटा को चुनकर एआई को प्रशिक्षित करेगा, ताकि वह सही और उपयोगी जवाब दे सके।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के होती जा रही है कि मशीनें नौकरियों को खाए जा रही हैं। हालांकि, वास्तविकता इससे पूरी तरह से मेल नहीं खाती है। भविष्य में एआई केवल काम को छीनने वाला नहीं, बल्कि नई संभावनाओं को जन्म देने वाला साबित होगा। इन्सान और एआई के बीच की खाई में जो जरूरतें और जिम्मेदारियां बच जाएंगी, वे नई नौकरियों के रूप में सामने आएंगी। ये ऐसी भूमिकाएं होंगी, जो पहले कभी अस्तित्व में नहीं थीं। इनके बारे में जानने के लिए सबसे पहले आपको यह जानना होगा कि नई नौकरियां एआई की क्षमताओं, मानवीय जरूरतों और इच्छाओं के बीच की खाई को कहां पाट सकती हैं। ऐसे ही कुछ प्रमुख क्षेत्र हैं, जहां एआई कभी भी आपके हुनर और ज्ञान का मुकाबला नहीं कर सकता है। एआई के बढ़ते प्रभाव के बावजूद, उसे किसी काम को रचनात्मक ढंग से करने के लिए निर्देश या हिदायत देना इन्सानों का ही काम रहेगा। ऐसे में, एआई के जरिये किसी उत्पाद की पूरी विकास प्रक्रिया को चलाने के लिए प्रोडक्ट डिजाइनर, फिल्मों व वेब सीरीज के कथानक को गढ़ने के लिए स्टोरी डिजाइनर, फिक्शनल ब्रांड्स, विज्ञापन या गेम्स की दुनिया को बनाने के लिए वर्ल्ड डिजाइनर आदि की जरूरत पड़ेगी

JOB VACANCY

रेलवे भर्ती बोर्ड ने जारी किया विज्ञापन टेक्नीशियन ग्रेड-I, ग्रेड-II के पदों पर रिक्तियां 6238 पद

आवेदन की अंतिम तिथि- 28 जुलाई, 2025 आयु सीमा- न्यूनतम 18 वर्ष और अधिकतम 30 व 33 वर्ष निर्धारित यहां आवेदन करें- rrbapply.gov.in

यूपीएससी में आवेदन आमंत्रित 241 पद

एम्स, पटना में संभावनाएं 43 पद जूनियर रेजिडेंट के पदों पर निकली भर्ती आवेदन की अंतिम तिथि 09 जुलाई, 2025 पात्रताएं एमबीबीएस व अन्य निर्धारित योग्यताएं यहां आवेदन करें aiimspatna.edu.in

एम्स, पटना में संभावनाएं 43 पद

जूनियर रेजिडेंट के पदों पर निकली भर्ती आवेदन की अंतिम तिथि 09 जुलाई, 2025 पात्रताएं एमबीबीएस व अन्य निर्धारित योग्यताएं यहां आवेदन करें aiimspatna.edu.in

भारी वाहन निर्माणी 1850 पद

जूनियर टेक्नीशियन के पदों पर रोजगार के अवसर आवेदन की अंतिम तिथि- 19 जुलाई, 2025 आयु-सीमा- अधिकतम 35 वर्ष निर्धारित *यहां आवेदन करें* oftr.formfliX.org

राइट्स लिमिटेड में रोजगार के अवसर 18 पद

असिस्टेंट मैनेजर, डीजीएम व अन्य पदों पर नौकरी के मौके आवेदन की अंतिम तिथि 27 जुलाई, 2025 वेतनमान रुपये 40,000 से लेकर रुपये 2,00,000 तक निर्धारित यहां आवेदन करें- rites.com

मेकॉन लिमिटेड में करें अप्लाई 13 पद

मैनेजर, डिप्टी मैनेजर व अन्य पदों पर आवेदन आमंत्रित आवेदन की अंतिम तिथि 03 अगस्त, 2025 योग्यताएं बीटेक, एमटेक व अन्य निर्धारित पात्रताएं यहां आवेदन करें meconlimited.co.in

एएनआरएफ का एडवांस्ड रिसर्च ग्रांट-2025

एडवांस्ड रिसर्च ग्रांट (एआरजी)-2025 अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) द्वारा भारत में शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों को दिया जाने वाला एक अवसर है। इसका उद्देश्य शोधकर्ताओं का समर्थन करना है, जिससे देश के भविष्य को नया आकार मिल सके। आवेदन करने के लिए जरूरी है कि आवेदक किसी मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान, राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला या किसी संगठन में शैक्षणिक, अनुसंधान या प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के पद पर कार्यरत हों। आवेदकों की अधिकतम आयु 70 वर्ष तय की गई है। चयनित उम्मीदवारों को रुपये पांच करोड़ तक की परियोजना निधि प्राप्त होगी। आवेदन करने की अंतिम तिथि 07 जुलाई, 2025 निर्धारित की गई है। उम्मीदवार लिंक anrfonline.in/ANRF/HomePage पर जाकर ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

रॉयल सोसाइटी पब्लिशिंग फोटोग्राफी प्रतियोगिता

रॉयल सोसाइटी की ओर से रॉयल सोसाइटी पब्लिशिंग फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें स्नातक या उससे ऊपर के स्तर पर विज्ञान में अध्ययन या काम कर रहे फोटोग्राफर से जुड़ी दिलचस्प वैज्ञानिक घटनाओं को कैद करने वाली तस्वीरें जमा कर सकते हैं। फोटो खगोल विज्ञान, पृथ्वी विज्ञान, जलवायु विज्ञान, पारिस्थितिकी और पर्यावरण विज्ञान व माइक्रोइमेजिंग आदि से जुड़ी हुई होनी चाहिए। **जरूरी पात्रताएं** तस्वीरें कैमरे से ली गई हों। इसके अलावा, प्रविष्टियों के साथ दिखाए गए वैज्ञानिक घटनाक्रम का 150 शब्दों में संक्षिप्त विवरण भी होना चाहिए। **पुरस्कार** इस प्रतियोगिता के ओवरऑल विजेता को 1,000 यूरो व प्रत्येक श्रेणी के विजेताओं को 500-500 यूरो का पुरस्कार दिया जाएगा। महत्वपूर्ण तारीख उम्मीदवार आधिकारिक लिंक royalsociety.org पर जाकर ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 अगस्त, 2025 निर्धारित की गई है।

आईसीएआर एआईईईए पीजी व पीएचडी प्रवेश परीक्षा

परीक्षा की तिथि 03 जुलाई, 2025

इस कंप्यूटर आधारित परीक्षा में पीजी के लिए कृषि विज्ञान व सामाजिक विज्ञान आदि विषयों से 120 प्रश्न, जबकि पीएचडी में दाखिले के लिए पादप जैव प्रौद्योगिकी जैसे विषयों से 480 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। यहां से प्रवेश-पत्र डाउनलोड करें exams.nta.ac.in/ICAR

यूकेएसएसएससी सहायक लेखाकार परीक्षा

परीक्षा की तिथि- 06 जुलाई, 2025

लिखित परीक्षा को दो भागों में विभाजित गया है। पेपर-1 में वाणिज्य संबंधित टॉपिक्स से 100 अंकों के प्रश्न व पेपर-II में सामान्य हिंदी और सामान्य अध्ययन से 100 अंकों के प्रश्न पूछे जाएंगे। पेपर की अवधि दो घंटे है। यहां से प्रवेश-पत्र डाउनलोड करें sssc.uk.gov.in

सही जवाब क्या है

1. भारतीय तटरक्षक बल के लिए शामिल किए गए पहले फास्ट पेट्रोल वेसल का क्या नाम है?

(a) शौर्य फास्ट पेट्रोल वेसल
(b) विक्रम फास्ट पेट्रोल वेसल
(c) अदम्य फास्ट पेट्रोल वेसल
(d) प्रहार फास्ट पेट्रोल वेसल

2. भारत का पहला ग्रीन डाटा सेंटर कहां स्थापित किया जा रहा है?

(a) गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
(b) इंदौर, मध्य प्रदेश
(c) जैसलमेर, राजस्थान
(d) सोनीपत, हरियाणा

3. के-6 हाइपरसोनिक सबमरीन लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल को किस संगठन ने विकसित किया है?

(a) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(b) रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन
(c) भारत डायनेमिक्स लिमिटेड
(d) हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड

उत्तर- 1.c, 2.a, 3.b

सामान्य ज्ञान

गोल्डीलॉक्स इकोनॉमी

क्या है

किसी अर्थव्यवस्था की सर्वश्रेष्ठ या आदर्श स्थिति को संदर्भित करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक शब्द है।

चर्चा में क्यों

वित्त मंत्री ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था कई उतार-चढ़ाव के बावजूद गोल्डीलॉक्स के दौर से गुजर रही है।

कहां से आया शब्द

यह शब्द बच्चों की लोकप्रिय कहानी गोल्डीलॉक्स एंड द श्री बियर्स की एक पंक्ति से लिया गया है, जिसमें गोल्डीलॉक्स नामक पात्र केवल उन्हीं चीजों को पसंद करता है, जो बिल्कुल सही हों।

इसकी खासियत

इस तरह की अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति कम, जबकि रोजगार अधिक होता है। आर्थिक विकास स्थिर रहता है, जिससे एक संतुलित तथा टिकाऊ अर्थव्यवस्था बनी रहती है। यह स्थिति निवेशकों के लिए अच्छी मानी जाती है, क्योंकि इसमें कंपनियों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहता है। इस वजह से शेयरों में तेजी आती है।

फीफा विश्व कप
के सेमीफाइनल में दोनों दिग्गज टीमों की टक्कर, फाइनल के टिकट के लिए होगी ऐतिहासिक जंग

मेसी पहली बार इंग्लैंड से भिड़ेंगे, 24 साल बाद विश्व कप में फिर आमने-सामने होंगे अर्जेंटीना और इंग्लैंड

एजेंसी, अटलांटा

फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में फुटबॉल प्रेमियों को एक ऐतिहासिक मुकाबला देखने को मिलेगा। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी पहली बार अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में इंग्लैंड के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। दो दशक से अधिक लंबे करियर में ब्राजील, फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, इटली और उरुग्वे जैसी दिग्गज टीमों का सामना करने वाले मेसी ने अब तक कभी इंग्लैंड के खिलाफ आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। ऐसे में अटलांटा में होने वाला यह मुकाबला न केवल विश्व कप फाइनल का रास्ता तय करेगा, बल्कि फुटबॉल इतिहास की सबसे चर्चित प्रतिद्वंद्विताओं में एक नया अध्याय भी जोड़ेगा।

लगातार कठिन मुकाबलों से थकी टीम

लगातार चुनौतीपूर्ण मुकाबलों के बाद मेसी ने स्वीकार किया कि टीम पर शारीरिक और मानसिक दबाव साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी थोड़ा आराम करने की कोशिश करेंगे ताकि सेमीफाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। मेसी ने कहा कि टीम थकान जरूर महसूस कर रही है, लेकिन सभी खिलाड़ी जानते हैं कि अब हर मैच इतिहास बनाने का मौका है और इसी सोच के साथ टीम आगे बढ़ रही है।

इंग्लैंड जैसी टीम के खिलाफ खेलना हमेशा खास : मेसी

सेमीफाइनल से पहले मेसी ने कहा कि यह मुकाबला उनके लिए बेहद खास है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार होगा जब वह इंग्लैंड के खिलाफ खेलेंगे। उनके अनुसार, इंग्लैंड दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में से एक है और विश्व कप जैसे बड़े मंच पर ऐसी टीम के खिलाफ खेलना किसी भी खिलाड़ी के लिए यादगार अनुभव होता है। मेसी ने कहा कि उन्होंने इंग्लैंड को छोड़कर लगभग सभी बड़ी फुटबॉल शक्तियों के खिलाफ खेला है, इसलिए इस मुकाबले का इंतजार उन्हें लंबे समय से था।

2005 में मौका मिला, लेकिन मैदान पर नहीं उतर सके

मेसी इंग्लैंड के खिलाफ खेलने के सबसे करीब नवंबर 2005 में पहुंचे थे। जिनेवा में खेले गए उस दोस्ताना मुकाबले में अर्जेंटीना को 3-2 से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन मेसी उस मैच का हिस्सा नहीं बन सके। दरअसल, उन्होंने कुछ समय पहले हंगरी के खिलाफ अपने सीनियर अंतरराष्ट्रीय पदार्पण मैच में रेड कार्ड देखा था, जिसके कारण वह इंग्लैंड के खिलाफ नहीं खेल पाए। अब करीब 21 साल बाद उन्हें पहली बार इंग्लैंड के खिलाफ खेलने का अवसर मिलने जा रहा है।

अर्जेंटीना ने संघर्ष करते हुए बनाई सेमीफाइनल में जगह

मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना का सेमीफाइनल तक का सफर आसान नहीं रहा। प्री-क्वार्टर फाइनल में टीम मिस्र के खिलाफ दो गोल से पिछड़ गई थी, लेकिन शानदार वापसी करते हुए 3-2 से जीत दर्ज की। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड ने भी अर्जेंटीना को कड़ी चुनौती दी। मुकाबला अतिरिक्त समय तक पहुंचा, जहां अर्जेंटीना ने 3-1 से जीत हासिल की। इस मैच में मेसी ने कॉर्नर किक पर एलेक्सिस मैक एलिस्टर के गोल में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद जूलियन अल्वारेज और लुटारो मार्टिनेज ने गोल कर टीम को जीत दिलाई। दिलचस्प बात यह रही कि कतर विश्व कप 2022 में पोलैंड के खिलाफ ग्रुप चरण के मुकाबले के बाद यह पहला विश्व कप मैच था जिसमें मेसी खुद गोल नहीं कर सके।

विश्व कप में अर्जेंटीना बनाम इंग्लैंड का रिकॉर्ड

- 1962 विश्व कप में चिली की धरती पर ग्रुप चरण के मुकाबले में इंग्लैंड ने अर्जेंटीना को 3-1 से हराया था।
- 1966 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड ने 1-0 से जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले में अर्जेंटीना के कप्तान एंटोनियो रैटिन को रेड कार्ड दिखाया गया था और इस फैसले को लेकर काफी विवाद हुआ था।
- 1986 विश्व कप का क्वार्टर फाइनल फुटबॉल इतिहास के सबसे चर्चित मुकाबलों में गिना जाता है। अर्जेंटीना ने 2-1 से जीत हासिल की थी। इसी मैच में डिएगो माराडोना ने 'हैंड ऑफ गॉड' गोल किया था, जिसने वर्षों तक विवाद खड़ा किया। इसी मुकाबले में उन्होंने मिडफील्ड से शानदार दौड़ लगाते हुए छह खिलाड़ियों को छकाकर 'गोल ऑफ द सेंचुरी' भी दागा था।
- 1998 विश्व कप के राउंड ऑफ 16 में दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर रहीं। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना ने जीत दर्ज कर इंग्लैंड को बाहर का रास्ता दिखाया।
- 2002 विश्व कप के ग्रुप चरण में इंग्लैंड ने 1-0 से जीत दर्ज कर 1998 की हार का बदला लिया था।
- अब विश्व कप 2026 का सेमीफाइनल इस ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता में एक और यादगार अध्याय जोड़ने के लिए तैयार है। एक ओर लियोनल मेसी अपने करियर में पहली बार इंग्लैंड के खिलाफ उतरेंगे, वहीं दूसरी ओर दोनों टीमें फाइनल में जगह बनाने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाएंगी।

24 साल बाद विश्व कप में फिर होगी टक्कर

अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच विश्व कप में आखिरी प्रतिस्पर्धी मुकाबला 2002 में जापान-दक्षिण कोरिया विश्व कप के दौरान हुआ था। उस मैच में इंग्लैंड ने डेविड बेकहम के पेनल्टी गोल की बदौलत 1-0 से जीत दर्ज की थी। अब 24 साल बाद दोनों टीमें फिर विश्व कप के मंच पर आमने-सामने होंगी। अर्जेंटीना इस मुकाबले को जीतकर लगातार दूसरी बार विश्व कप फाइनल में पहुंचना चाहेगा। यदि टीम खिताब जीतती है तो वह 1962 के बाद लगातार दो विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बन सकती है।

मैन ऑफ द मैच अक्षर ने 57 रन बनाए और 4 विकेट लिए, गिल-वॉशिंगटन का अर्धशतक

11 साल बाद इंग्लैंड की एजबेस्टन में हार

इंग्लैंड को 6 विकेट से हराकर भारत ने सीरीज में बनाई बढ़त

एजेंसी, बर्मिंघम

कप्तान शुभमन गिल की शानदार कप्तानी पारी और अक्षर पटेल के दमदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत भारत ने पहले वनडे में इंग्लैंड को छह विकेट से हरा दिया। एजबेस्टन में मंगलवार को खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 47.5 ओवर में 258 रन बनाए। जवाब में भारत ने 45.2 ओवर में चार विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। खास बात यह रही कि एजबेस्टन में 2015 के बाद इंग्लैंड की यह पहली वनडे हार है। पिछली बार 2014 में भी उसे भारत ने ही इस मैदान पर हराया था।

भारतीय गेंदबाजों ने पलटा मैच

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने बेन डकेट और फिल सॉल्ट की मदद से तेज शुरुआत की। 13वें ओवर की शुरुआत तक टीम बिना किसी नुकसान के 61 रन बना चुकी थी और बड़ा स्कोर बनता नजर आ रहा था लेकिन इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने मैच की तस्वीर ही बदल दी। जसप्रीत बुमराह ने दबाव बनाया तो गुरनूर बराड़ और प्रसिद्ध कृष्णा ने लगातार विकेट निकालकर इंग्लैंड को बैकफुट पर धकेल दिया। देखते ही देखते मेजबान टीम 107 रन पर छह विकेट गंवा चुकी थी। हैरी ब्रूक, जोस बटलर और जैकब बेथेल जैसे बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके।

अक्षर-वॉशिंगटन ने खत्म किया इंग्लैंड का सपना

टी20 सीरीज में बल्ले से संघर्ष करने वाले अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर ने वनडे में शानदार संयम दिखाया। दोनों ने पहले विकेट बचाए और फिर खराब गेंदों पर रन बटोरे। जोफ्रा आर्चर के तेज स्पेल को भी दोनों ने समझदारी से खेला और स्पिनरों के खिलाफ खुलकर रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिए नाबाद 102 रन जोड़कर भारत को आसान जीत दिला दी। अक्षर ने 52 गेंदों पर नाबाद 57 रन बनाए, जबकि वॉशिंगटन सुंदर 63 गेंदों पर नाबाद 52 रन बनाकर लौटे। वॉशिंगटन ने विजयी छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाने के साथ अपना अर्धशतक भी पूरा किया।

श्रेयस-राहुल के आउट होते ही बढ़ा रोमांच

गिल के मैदान से बाहर जाने के बाद भारत पर थोड़ी देर के लिए दबाव बढ़ गया। अच्छी बल्लेबाजी कर रहे श्रेयस अय्यर 35 रन बनाकर रन आउट हो गए। इसके बाद जोश टंग की तेज गेंद पर केएल राहुल भी बोल्ड हो गए। भारत का स्कोर 160 रन पर चार विकेट हो गया और इंग्लैंड को मुकाबले में वापसी की उम्मीद दिखाई देने लगी।

शतक से पहले चोटिल हुए गिल, रिटायर्ड हर्ट लौटे

गिल शानदार लय में दिखाई दे रहे थे और उनका शतक लगभग तय माना जा रहा था। उन्होंने 75 गेंदों में 80 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और एक छक्का शामिल था। हालांकि पारी के दौरान पहले पिंडली में ऐंठन और फिर हैमस्ट्रिंग में परेशानी के कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। गिल 80 रन पर रिटायर्ड हर्ट होकर वापस लौटे। एजबेस्टन में उनका शानदार रिकॉर्ड इस मैच में भी कायम रहा। पिछले साल इसी मैदान पर टेस्ट मैच में उन्होंने 269 और 161 रन की पारियां खेली थीं।

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड	रन	बॉल	4s	6s
बेन कै बुमराह बो बराड़	43	45	6	2
जेकब कै सुंदर बो बराड़	14	31	1	0
जो रूट नाबाद	76	76	6	1
हैरी कै रोहित बो बुमराह	1	3	0	0
बटलर कै बराड़ बो पी कृष्णा	5	14	0	0
सैम कै राहुल बो पी कृष्णा	0	3	0	0
विल कै राहुल बो शिवम	20	19	3	0
लियम कै रोहित बो अक्षर	68	83	6	1
आर्चर कै सुंदर बो अक्षर	12	6	1	1
आदिल कैच्ड राहुल बो अक्षर	1	5	0	0
जॉश टंग बोल्ड अक्षर	0	2	0	0
कुल: 255/10 (47.5)				

गेंदबाजी: जसप्रीत बुमराह (9-0-31-1), प्रसिद्ध कृष्णा (10-2-50-2), गुरनूर बराड़ (9-0-61-2), शिवम दुबे (6-0-27-1), वॉशिंगटन सुंदर (4-0-13-0), अक्षर पटेल (9.5-0-62-4),

भारत	रन	बॉल	4s	6s
रोहित कै ब्रूक बो करन	11	21	1	0
शुभमन गिल रिटायर्ड हर्ट	80	75	11	1
विराट एल्बीडब्ल्यू आर्चर	5	6	1	0
श्रेयस अय्यर रन आउट	35	53	2	0
वॉशिंगटन सुंदर नाबाद	52	63	4	1
के एल राहुल बोल्ड टंग	1	3	0	0
अक्षर पटेल नाबाद	57	52	5	1
कुल: 262/4 (45.4)				

गेंदबाजी: जोफ्रा आर्चर (10-0-60-1), जॉश टंग (10-0-50-1), सैम करन (10-0-55-1), आदिल रशीद (5.2-0-34-0), जेकब बेथेल (1-0-10-0), लियम डॉसन (2-0-10-0), विल जैक्स (7-0-43-0)

जसप्रीत बुमराह ने रवींद्र जडेजा को छोड़ा पीछे

बुमराह के नाम वनडे क्रिकेट में इंग्लैंड में अब 31 विकेट हो गए हैं। इसी के साथ उन्होंने जडेजा को पीछे छोड़ दिया है। जडेजा ने इंग्लैंड में खेलते हुए वनडे क्रिकेट में 30 विकेट हासिल किए थे। बुमराह इससे पहले जडेजा के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर थे लेकिन अब वे जडेजा से आगे निकल गए हैं। बुमराह ने इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक को अपना शिकार बनाया और इसी के साथ उन्होंने इतिहास रच दिया।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत के सबसे सफल गेंदबाज
- जसप्रीत बुमराह - 31*
- रवींद्र जडेजा - 30
- भुवनेश्वर कुमार - 28
- मदन लाल - 27
- मोहम्मद शमी - 26

कम गेंदों पर वनडे में 150 विकेट भातरीय
- मोहम्मद शमी - 4070
- कुलदीप यादव - 4513
- जसप्रीत बुमराह - 4605
- अजीत अगरकर - 5027
- इरफान पठान - 5131

सिंधु ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को 21-14, 21-11 से हराया

पीवी सिंधु जापान ओपन के दूसरे दौर में चोट के कारण सात्विक-चिराग मैच से हटे

एजेंसी, टोक्यो

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने मंगलवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को कंधे की चोट के कारण अपना पहला मुकाबला बीच में छोड़ने को मजबूर होना पड़ा। विश्व की 10वें नंबर की खिलाड़ी सिंधु ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को 21-14, 21-11 से हराकर आसान जीत दर्ज की। सिंधु ने शुरुआत से ही मुकाबले पर

नियंत्रण बनाए रखा और अपने सटीक स्मैश, ड्रॉप शॉट और बेहतरीन नेट गेम के दम पर सीधे गेमों में जीत हासिल की। दूसरी ओर विश्व नंबर-4 भारतीय पुरुष युगल जोड़ी सात्विक-चिराग को डेनमार्क के डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टरगार्ड के खिलाफ पहला गेम 19-21 से गंवाने के बाद मुकाबले से हटना पड़ा। सात्विक के कंधे की पुरानी चोट फिर उभर आई, जिसके चलते दोनों खिलाड़ियों ने मैच जारी नहीं रखा। मुख्य युगल कोच तान किम हर ने बताया कि सात्विक-चिराग अगले सप्ताह होने वाले चाइना ओपन में भी हिस्सा नहीं लेंगे। दोनों खिलाड़ी अब पूरी तरह फिट होने के लिए पुनर्वास (रिहैब) पर ध्यान देंगे, ताकि अगस्त में भारत में होने वाली विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में पूरी तरह तैयार होकर उतर सकें।

भारत के बांग्लादेश दौरे पर उपजे नए संदेह

ढाका। क्या बंगलादेश-भारत सीरीज़ में कोई नई रुकावट आ गई है? दो हफ़्ते से भी कम समय पहले, ऐसे संकेत थे कि छह मैचों की व्हाइट बॉल सीरीज़ होगी, और बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने, जैसा कि क्रिकबज़ ने 1 जुलाई को सबसे पहले बताया था, मीडिया राइट्स के लिए बोलियां मंगाने के लिए एक टेंडर नोटिफिकेशन भी जारी किया था। लेकिन 13 दिन बाद, ऐसा लगता है कि सीरीज़ को पीछे धकेल दिया गया है, और बीसीबी ने इस प्रोसेस को रोक दिया है। 1 जुलाई को, बीसीबी ने सीरीज़ के टेलीविज़न और डिजिटल मीडिया राइट्स बेचने के लिए रखे, यह कहते हुए कि बिडिंग प्रोसेस 22 जुलाई तक पूरा हो जाएगा। हालांकि, उसने एक्सप्रेशन ऑफ़ इंटरेस्ट (ईओआई) डॉक्यूमेंट्स जारी नहीं किए, जिससे इंटरेस्टेड ब्रॉडकास्टर्स - खासकर भारत में - सोच में पड़ गए कि क्या सीरीज़ होगी भी।

भारतीय टीम में जगह बनाना आसान नहीं : राही सरनोबत

अब वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स पर नजर

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत की स्टार पिस्टल निशानेबाज और एशियन गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता राही सरनोबत ने कहा है कि मौजूदा समय में भारतीय राष्ट्रीय टीम में जगह बनाना दुनिया की सबसे कठिन चुनौतियों में से एक है। उन्होंने कहा कि घरेलू चयन ट्रायल इतने प्रतिस्पर्धी हो चुके हैं कि हर खिलाड़ी को हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ता है। हाल ही में महिलाओं की 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल स्पर्धा के टी-4 राष्ट्रीय चयन ट्रायल में शीर्ष स्थान हासिल करने वाली राही अब चीन में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप और एशियन गेम्स की तैयारियों में जुटी हैं। राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के दौरान

उन्होंने कहा कि चयन ट्रायल में दबाव के बीच अपनी प्रक्रिया पर भरोसा बनाए रखना ही उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि रही। राही ने कहा, 'राष्ट्रीय टीम में जगह बनाना कभी आसान नहीं होता, क्योंकि भारत के घरेलू ट्रायल बेहद प्रतिस्पर्धी हैं। स्कोर से ज्यादा खुशी इस बात की है कि मैंने दबाव में भी अपनी प्रक्रिया का सही तरीके से पालन किया। इससे विश्वास मिला कि पिछले कुछ महीनों की मेहनत सही दिशा में जा रही है। अब लक्ष्य इसी निरंतरता को बनाए रखना है।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराया

जेडेन लेनोक्स ने 19 रन देकर 5 विकेट लिए, 3 मैचों की वनडे सीरीज 1-1 से बराबर

एजेंसी, गुयाना

न्यूजीलैंड ने दूसरे वनडे मैच में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हरा दिया है। गयाना में खेले गए इस मैच में जेडेन लेनोक्स के फाइव विकेट हॉल की बदौलत न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को महज 138 रनों पर समेट दिया। वेस्टइंडीज की टीम ने अपने आखिरी 10 विकेट सिर्फ 75 रन के अंदर गंवा दिए। 139 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने 5 विकेट खोकर आसानी से जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने 3 मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद शानदार रही थी। ओपनर जॉन कैंपबेल और अकीम ऑगस्टे ने पहले विकेट के लिए 63 रनों की मजबूत पार्टनरशिप की। पावरप्ले के आखिर में दोनों ने तेजी से रन बनाए, लेकिन इसके बाद न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने मैच का रुख बदल दिया।

जेडेन न्यूजीलैंड के तीसरे सबसे सफल वनडे स्पिनर

न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के स्पिनर जेडेन लेनोक्स इस मैच के सबसे बड़े हीरो रहे। उन्होंने सिर्फ 19 रन देकर 5 विकेट चटकाए। यह उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले खेले गए 6 वनडे मैचों में लेनोक्स कभी भी 2 से ज्यादा विकेट नहीं ले पाए थे। उनके पहले चार विकेट क्लीन बोल्ड के रूप में आए। इस शानदार प्रदर्शन के साथ ही लेनोक्स न्यूजीलैंड के पुरुषों के वनडे इतिहास में तीसरे सबसे बेस्ट आंकड़े दर्ज करने वाले स्पिनर बन गए हैं। इस लिस्ट में पहले नंबर पर ईश सोढ़ी (6/39) और दूसरे नंबर पर डेनियल विटोरी (5/7) का नाम शामिल है।

एशिया में गूंजेगी मध्यप्रदेश की हॉकी प्रतिभा, राज्य हॉकी अकादमी के चार खिलाड़ी भारतीय टीम में चयनित

खेल संवाददाता, भोपाल

मध्यप्रदेश राज्य हॉकी अकादमी के खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। पुरुष वर्ग में आयुष रजक (गोलकीपर) एवं करण गौतम तथा महिला वर्ग में महक परिहार (गोलकीपर) एवं नौशीन नाज़ (फॉरवर्ड) का भारतीय टीम में चयन यूथ हॉकी5s एशियन चैंपियनशिप-2026 के लिए हुआ है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 20 से 25 जुलाई 2026

तक मस्कट, ओमान में आयोजित होगी। पुरुष वर्ग की भारतीय टीम में आयुष रजक और करण गौतम का चयन प्रदेश की मजबूत हॉकी संरचना एवं उत्कृष्ट प्रशिक्षण व्यवस्था का प्रमाण है। वहीं महिला वर्ग में महक परिहार और नौशीन नाज़ की जगह भारतीय टीम में बनना यह दर्शाता है कि मध्यप्रदेश की बेटियां भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। चारों खिलाड़ियों का भारतीय टीम में चयन खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश की खेल प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है। यह उपलब्धि प्रदेश के उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और विश्वास दिलाती है कि समर्पण, अनुशासन और निरंतर प्रशिक्षण से विश्व मंच तक पहुंचना संभव है।

मंत्री विश्वास सारंग ने दी शुभकामनाएं

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने भारतीय टीम में चयनित प्रदेश के सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की खेल अकादमियां लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार कर रही हैं। आयुष रजक, करण गौतम, महक परिहार एवं नौशीन नाज़ का भारतीय टीम में चयन प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। सभी खिलाड़ी मस्कट, ओमान में आयोजित यूथ हॉकी5s एशियन चैंपियनशिप-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाएंगे।

खेल मंत्रालय ने जूडो फ़ेडरेशन की अंतरिम बॉडी को सशर्त मान्यता दी

एजेंसी, नई दिल्ली

खेल मंत्रालय ने जूडो फ़ेडरेशन ऑफ़ इंडिया (जेएफआई) की अंतरिम कार्यकारी समिति को सशर्त मान्यता दे दी है। इस समिति को पिछले महीने दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशों के बाद चुना गया था। हालांकि, मंत्रालय ने यह साफ़ कर दिया है कि अगर कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं किया गया या कामकाज में कोई गड़बड़ी पाई गई, तो मान्यता को निलंबित या वापस लिया जा सकता है। जेएफआई 2022 से ही कोर्ट द्वारा नियुक्त एडमिनिस्ट्रेटर के नियंत्रण में है। इस साल फरवरी में, दिल्ली हाई कोर्ट ने फ़ेडरेशन को अपनी सालाना आम बैठक (एजीएम) आयोजित करने और अपने संविधान को 'नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट, 2025' के अनुरूप बनाने का निर्देश दिया था। उन निर्देशों के बाद, जेएफआई ने एक अंतरिम कार्यकारी समिति चुनी, जिसके अध्यक्ष अनुभवी खेल प्रशासक मुकेश कुमार हैं, जबकि बानी ब्रता दास महासचिव और शैलेश तिलक कोषाध्यक्ष हैं।

कॉमनवेल्थ गेम्स एशियन गेम्स से ज्यादा कठिन: भारतीय धावक

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के शीर्ष 400 मीटर धावकों का मानना है कि आगामी ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स उनके लिए एशियन गेम्स की तुलना में कहीं बड़ी चुनौती होगा। उनका कहना है कि कॉमनवेल्थ गेम्स में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसे देशों के विश्वस्तरीय एथलीटों की मौजूदगी प्रतिस्पर्धा का स्तर काफी ऊंचा कर देती है, जो बाद में जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स की तैयारी के लिए भी अहम साबित होगी। भारत ग्लासगो में 23 जुलाई से शुरू होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स में 32 सदस्यीय ट्रैक एवं फील्ड दल उतारेगा। इससे पहले 41 एथलीटों और 19 कोच व सपोर्ट स्टाफ सहित 60 सदस्यीय भारतीय दल सरकारी सहायता प्राप्त प्रशिक्षण शिविर के लिए पोलैंड के स्पाला रवाना हुआ है। पुरुष 400 मीटर और मिश्रित 4x400 मीटर रिले में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले विशाल थेन्नारासु कायलविझी ने कहा कि कॉमनवेल्थ गेम्स में मुकाबला बेहद कठिन होगा।

मानव ठक्कर और मानुष शाह पुरुष युगल में दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी बने

नई दिल्ली। मानव ठक्कर और मानुष शाह अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस संघ (आईटीटीएफ) की सोमवार को जारी पुरुषों की युगल रैंकिंग में दुनिया के नंबर 2 खिलाड़ी बन गए हैं। इन दोनों खिलाड़ियों ने किसी भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी या जोड़ी द्वारा हासिल की गई अब तक की सबसे ऊंची रैंकिंग का अपना ही रिकॉर्ड बेहतर किया है। पिछले हफ्ते दुनिया के नंबर 3 पर पहुंचने के बाद, सोमवार को जारी रैंकिंग में इस भारतीय टेबल टेनिस जोड़ी को एक पायदान का फायदा हुआ। इस जोड़ी ने अर्चना कामथ और मनिका बत्रा की महिला युगल जोड़ी के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जो 2022 में दुनिया की नंबर चार जोड़ी बनी थीं। चीन के लिन शिडोंग और हुआंग यूज़ेंग 5160 अंको के साथ रैंकिंग में सबसे ऊपर हैं, जबकि मानव ठक्कर और मानुष शाह 3390 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। पेरिस 2024 ओलंपिक में फ्रांस की कांस्य पदक जीतने वाली पुरुष टीम का हिस्सा रहे एलेक्सिस और फेलिक्स लेब्रुन पिछले हफ़्ते दूसरे नंबर पर थे, लेकिन अब वे पांचवें नंबर पर खिसक गए हैं, जिससे भारतीयों के लिए यह जगह खाली हो गई है।

विद्यार्थियों का भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना बिड़ला ओपन माइंड्स का उद्देश्य

भोपाल (नगर संवाददाता)

बिड़ला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल, भोपाल में आयोजित इन्वेस्टिचर सेरेमनी-2026 के अवसर पर बिड़ला ओपन माइंड्स के प्रबंध निदेशक निर्वाण बिड़ला ने मुख्य अतिथि के रूप में विद्यार्थियों को नेतृत्व, नवाचार और जिम्मेदारी का संदेश दिया। समारोह के दौरान निर्वाण बिड़ला ने नव-निर्वाचित स्टूडेंट काउंसिल के सदस्यों को बैज एवं सैश पहनाकर उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि नेतृत्व केवल पद नहीं, बल्कि सेवा, ईमानदारी, अनुशासन और करें। निर्वाण बिड़ला ने कहा कि बिड़ला ओपन माइंड्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना भी है। उन्होंने नवाचार, अनुभवात्मक शिक्षा तथा वैश्विक शैक्षणिक मानकों पर आधारित शिक्षा प्रणाली को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि आज के विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच और नैतिक मूल्यों का विकास अत्यंत आवश्यक है। अपने दौरे के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के साथ संवाद भी किया। विद्यालय के चेयरमैन राकेश मलिक,

सख्ती: मंत्री, सांसद, विधायक और महापौर को भी रोका, वाहनों से हूटर, नेम प्लेट हटाई, चालान काटे

विशेष अभियान में ब्लैक फिल्म, हेलमेट उल्लंघन और अवैध हूटर-सायरन वालों पर शिकंजा, 137 वाहनों पर हुई कार्रवाई

भोपाल (नगर संवाददाता)

डीबी मॉल के सामने मंगलवार को ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए जिला न्यायालय के आदेश पर चलित न्यायालय (मोबाइल कोर्ट) लगाया गया। इस विशेष अभियान में आम लोगों के साथ-साथ सांसद, मंत्री, विधायक, महापौर, अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के वाहनों की नेम प्लेट और हूटर के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। शहर में ऐसा पहली बार हुआ कि पुलिस ने जजों के सामने करीब दो घंटों में 137 वाहनों के चालान बना डाले।

ट्रैफिक एसीपी दिवेंद्र सिंह यादव ने बताया कि जिला न्यायालय के निर्देश पर चलित न्यायालय का आयोजन किया गया था। अभियान का नेतृत्व मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अग्निम्न कुमार द्विवेदी ने किया। उनके साथ अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रियंक दुबे, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी विजय कुमार पाठक, भारत सिंह रघुवंशी और शरद जायसवाल भी मौजूद रहे। 35 ट्रैफिक पुलिसकर्मी और एमपी नगर थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। अभियान के दौरान कुल 137 वाहनों के खिलाफ विभिन्न यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालानी कार्रवाई की गई। जांच के दौरान बिना नंबर प्लेट, अवैध ब्लैक फिल्म, नियम विरुद्ध हूटर, सायरन और लाल-नीली बत्ती का उपयोग करने वाले वाहनों और बिना हेलमेट चलने वालों को विशेष रूप से निशाने पर रखा गया। कई वाहनों से मौके पर ही अवैध हूटर और सायरन हटवाकर जब्त किए गए। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि चाहे वाहन किसी भी व्यक्ति का हो, नियमों का उल्लंघन मिलने पर कार्रवाई से कोई छूट नहीं दी जाएगी।

अधिकृत आदेश देखकर नहीं बनाया चालन

पुलिस सूत्रों के अनुसार कार्रवाई के दौरान टीटी नगर तहसीलदार करुणा दंडोतिया की गाड़ी भी रोकी गई। बाद में वह शासन का अधिकृत आदेश लेकर पहुंचीं, जिसमें मजिस्ट्रेट को हूटर उपयोग की अनुमति का उल्लेख था। आदेश का सत्यापन होने के बाद उन्हें बिना चालान के जाने दिया गया।

नियमों का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

सड़क सुरक्षा और यातायात अनुशासन बनाए रखने के लिए ऐसे विशेष अभियान आगे भी लगातार चलाए जाएंगे। नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति या वाहन को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और वाहनों में अवैध हूटर, सायरन, ब्लैक फिल्म अथवा अन्य प्रतिबंधित उपकरणों का उपयोग न करें।

MRI के लिए 3 महीने बाद की तारीख, दवाओं का भी टोटा

भोपाल (नगर संवाददाता)

मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) मुख्यालय से आई औचक निरीक्षण टीम के सामने गैस पीड़ितों ने अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर शिकायतें दर्ज कराईं। गैस पीड़ित महिला उद्योग संगठन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि एमआरआई जैसी महत्वपूर्ण जांच के लिए तीन-तीन महीने बाद की तारीख दी जा रही है। कई विभागों में विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं हैं, जिससे गंभीर बीमारियों का इलाज प्रभावित हो रहा है। दवाओं की भी नियमित उपलब्धता नहीं है।

आईसीएमआर टीम के सामने गैस पीड़ितों का निकला दर्द

सीनियर डीडीजी (प्रशासन) विवेक कुमार दक्ष की अगुवाई में दिल्ली से टीम निरीक्षण के लिए बीएमएचआरसी पहुंची है। वहीं निरीक्षण के दौरान गैस पीड़ित महिला उद्योग संगठन के संयोजक शहवार खान और अन्य सदस्यों ने अस्पताल की समस्याएं रखते हुए गैस पीड़ितों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने की मांग की। निरीक्षण टीम ने संस्था के विभिन्न विभागों का जायजा लेने के साथ पीड़ितों की शिकायतें भी सुनीं। टीम ने जांच कर कार्रवाई के लिए रिपोर्ट तैयार करने का आश्वासन दिया। वहीं अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि निरीक्षण नियमित प्रक्रिया है और टीम को सभी व्यवस्थाओं से अवगत कराया गया।

मोबाइल हैक कर खाते से 95 हजार ट्रांसफर कर की साइबर ठगी

भोपाल। बागसेवनिया क्षेत्र में साइबर ठगों ने एक व्यक्ति के मोबाइल का एक्सेस हासिल कर उसके खाते से 95 हजार रुपये उड़ा दिए। पुलिस के अनुसार सुरेन्द्र पैलेस, बागसेवनिया निवासी संजय पटेल (37) ने शिकायत दर्ज कराई है कि 11 जून को किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके मोबाइल फोन का अनधिकृत रूप से एक्सेस प्राप्त कर लिया। इसके बाद उनके गूगल पे खाते से दोपहर 2.33 बजे 95 हजार रुपये बिना उनकी जानकारी और अनुमति के नर्मदा राय के खाते में ट्रांसफर कर दिए गए। जब उन्होंने बाद में गूगल पे की ट्रांजेक्शन हिस्ट्री देखी, तब उन्हें धोखाधड़ी का पता चला। जिस मोबाइल फोन से यह घटना हुई थी, उसे उन्होंने बाद में बेच दिया था। वर्तमान में वह मोबाइल उनके पास नहीं है और उससे संबंधित बिल या अन्य दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं है।

फोन में एपीके फाइल डाउनलोड होते ही खाते से उड़े 5.08 लाख

भोपाल (नगर संवाददाता)

कोहेफिजा में बुजुर्ग व्यापारी साइबर ठगी का हुए शिकार, पुलिस जांच में जुटी

कोहेफिजा इलाके में एक बुजुर्ग व्यापारी साइबर ठगी का शिकार हो गए। जालसाजों ने उनके मोबाइल पर संदिग्ध एपीके फाइल भेजकर मोबाइल का नियंत्रण हासिल कर लिया और बैंक खाते से लाख 8 हजार 446 रुपये निकाल लिए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, जैन नगर, लालघाटी निवासी विनोद कुमार जैन (64), लोहा बाजार में रेडीमेड कपड़ों की दुकान संचालित करते है। कुछ समय पहले उनके मोबाइल पर एक अज्ञात एपीके फाइल भेजी गई थी। फाइल डाउनलोड होने के बाद साइबर ठगों ने उनके मोबाइल का रिमोट एक्सेस हासिल कर लिया। इसके बाद आरोपियों ने बैंकिंग संबंधी जानकारी का दुरुपयोग करते हुए उनके खाते से अलग-अलग माध्यमों से 5 लाख 8 हजार 446 रुपये निकाल लिए। पीड़ित को लंबे समय तक इस धोखाधड़ी की जानकारी नहीं लगी। करीब एक महीने पहले तक उन्होंने अपने खाते में पांच लाख रुपये से अधिक की राशि देखी थी। हाल ही में जब उन्होंने दोबारा बैंक बैलेंस की जांच की तो खाते से पूरी रकम गायब मिली। इसके बाद उन्होंने बैंक से जानकारी लेने के साथ ही थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर बैंक ट्रांजेक्शन, मोबाइल डेटा और डिजिटल साक्ष्यों की जांच शुरू कर दी है।

उच्च शिक्षा प्रवेश की द्वितीय सीएलसी प्रक्रिया 31 तक बढ़ी

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रदेश के शासकीय, अनुदान प्राप्त, अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों की स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए द्वितीय सीएलसी (कॉलेज लेवल काउंसलिंग) चरण की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। पहले यह प्रक्रिया 15 जुलाई तक निर्धारित थी, जिसे अब बढ़ाकर 31 जुलाई 2026 कर दिया गया है। बता दें कि अभी भी बड़ी संख्या में सीटें रिक्त रह गई हैं, जिन्हें भरने के उद्देश्य से विभाग ने प्रवेश प्रक्रिया जारी रखने का फैसला किया है।

रवीन्द्र भवन में नाटक आज़ाद बुलंदी भगत सिंह का मंचन

भोपाल। वंदे मातरम राष्ट्रगीत सार्धशती के उपलक्ष्य और महाकवि कालिदास जयंती के अवसर पर बुधवार को रवीन्द्र भवन के अंजनी सभागार में देशभक्ति भाव से ओतप्रोत नाटक आज़ाद बुलंदी... भगत सिंह का मंचन किया जाएगा। संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली एवं संस्कृति संचालनालय, मध्यप्रदेश के सहयोग से आयोजित यह प्रस्तुति शाम 6 बजे होगी। नाटक का निर्देशन युवा रंग निर्देशक अनुराग मिश्रा ने किया है, जबकि इसके लेखक दिनेश नायर हैं। कार्यक्रम का आयोजन रंग माध्यम नाट्य संस्था द्वारा किया जा रहा है।

हर 4 में से 1 स्कूली वाहन कर रहा है नियमों का उल्लंघन

भोपाल (नगर संवाददाता)

परिवहन विभाग के सहयोग से पीटीआरआई द्वारा राजधानी सहित प्रदेशभर में 8 से 17 जुलाई तक चलाए जा रहे स्कूली वाहनों के विशेष चेकिंग अभियान के दौरान यह बात सामने आई है कि हर चार में से एक यानि करीब 26 फीसदी स्कूली वाहन किसी न किसी परिवहन संबंधी नियम का उल्लघंन कर चलाये जा रहे हैं। पिछले 7 दिनों में करीब 2 हजार से ज्यादा स्कूली बसों, बेन, रिक्शा और अन्य वाहनों की सघन जांच की गई है, जिनमें से 600 से ज्यादा बसों में गड़बड़ी सामने आई है, अभियान 17 जुलाई तक चलेगा, इस दौरान बच्चों की सुरक्षा से खिलबाड़ करके चलाए जा रहे स्कूली वाहनों पर सख्ती कार्रवाई की जाएगी।

8 से 17 जुलाई तक चल रहे विशेष चेकिंग अभियान में खुलासा

प्रमोशन में आरक्षण: सरकार का पक्ष सुनने के बाद हाईकोर्ट ने डेटा साझा करने के दिए निर्देश

सरकार ने कहा-पिछड़ेपन और प्रतिनिधित्व के आंकड़ों के आधार पर दिए जा रहे हैं प्रमोशन

याचिकाकर्ता 17 जुलाई तक दर्ज कर सकेंगे आपत्तियां, अगली सुनवाई 21 जुलाई को

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश में प्रमोशन में आरक्षण से जुड़े मामले पर मंगलवार को हाईकोर्ट की स्पेशल बेंच में सुनवाई हुई। एक्टिंग चीफ जस्टिस द्वारा गठित बेंच के समक्ष राज्य सरकार ने अपना जवाब पेश करते हुए कहा कि प्रमोशन पिछड़ेपन और प्रतिनिधित्व के आंकड़ों के आधार पर दिए जा रहे हैं। सरकार का पक्ष सुनने के बाद हाईकोर्ट ने निर्देश दिए कि कर्मचारियों से संबंधित क्वांटिफाएबल डेटा याचिकाकर्ताओं के साथ साझा किया जाए। साथ ही याचिकाकर्ताओं को इस पर बहस के लिए समय भी दिया गया। जस्टिस विनय सराफ और जस्टिस विवेक अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 21 जुलाई दोपहर 2:30 बजे तय की है।

सीलबंद लिफाफे में पेश किया गया था डेटा

सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने बताया कि हाईकोर्ट के पूर्व निर्देशों के अनुसार यह डेटा सीलबंद लिफाफे में पेश किया गया था और प्रतिवादियों से साझा नहीं किया गया। इस पर कोर्ट ने कहा कि डेटा साझा न करने का कोई आदेश रिकॉर्ड पर मौजूद नहीं है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह क्वांटिफाएबल डेटा कोई सरकारी गोपनीय दस्तावेज नहीं है, इसलिए इसे याचिकाकर्ताओं को उपलब्ध कराया जाए।

कोर्ट ने माना, पूर्व आदेशों का पूरा पालन नहीं हुआ: रिकॉर्ड का अवलोकन करने पर हाईकोर्ट ने पाया कि 16 अक्टूबर 2025 को सरकार को स्टडी और सर्वे का पूरा डेटा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद 28 अक्टूबर को सरकार ने केवल कुछ दस्तावेज सीलबंद लिफाफे में पेश किए और शेष दस्तावेज बाद में देने की बात कही, लेकिन वे रिकॉर्ड पर प्रस्तुत नहीं किए गए। कोर्ट ने माना कि उसके पूर्व आदेशों का पूर्ण पालन नहीं हुआ।

पूरा रिकॉर्ड मिलने पर ही दर्ज हो सकेगी आपत्ति

कोर्ट ने कहा कि यदि याचिकाकर्ताओं को पूरा डेटा उपलब्ध नहीं होगा तो वे उस पर प्रभावी आपत्ति कैसे दर्ज करेंगे। प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के तहत पूरा रिकॉर्ड प्रतिवादियों के साथ साझा किया जाना आवश्यक है। अदालत ने सरकार को निर्देश दिए कि रूल-5 के तहत तैयार सभी स्टडी और सर्वे का डेटा अगले दिन तक प्रतिवादियों को उपलब्ध कराया जाए तथा इसकी सूचना कोर्ट को भी दी जाए। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि डेटा मिलने के बाद प्रतिवादी 17 जुलाई तक अपनी आपत्तियां दाखिल कर सकेंगे। अदालत ने यह भी कहा कि वह मामले की प्रतिदिन सुनवाई करना चाहती है, लेकिन जस्टिस विनय सराफ की ओबीसी आरक्षण संबंधी व्यस्तता और सामान्य वर्ग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता की उपलब्धता को देखते हुए अगली सुनवाई 21 जुलाई को दोपहर 2:30 बजे होगी।

ओबीसी आरक्षण : 91 याचिकाओं पर हाईकोर्ट में आज से रोज होगी सुनवाई

प्रशासनिक गड़बड़ी के कारण मंगलवार को नहीं हो सकी सुनवाई

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण से जुड़े मामले की सुनवाई मंगलवार को नहीं हो सकी। प्रशासनिक कारणों से यह मामला गलती से मंगलवार की सूची में शामिल हो गया था। हाईकोर्ट ने आदेश जारी कर स्पष्ट किया कि अब 15 जुलाई से प्रतिदिन दोपहर 2:30 बजे विशेष पीठ नियमित सुनवाई करेगी। प्रशासनिक न्यायमूर्ति आनंद पाठक और न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ-दो के समक्ष ओबीसी आरक्षण से जुड़ी 91 याचिकाएं सूचीबद्ध थीं। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने कोर्ट को बताया कि मामले सोमवार की सूची में क्रमांक-16 पर लगे हैं, जबकि दोपहर 2:30 बजे से संबंधित बैच उपलब्ध नहीं रहेगा। इस पर कोर्ट को बताया गया कि इन प्रकरणों की सुनवाई मूल रूप से 15 जुलाई से तय थी और लगातार (डे-टू-डे) सुनवाई के आदेश पहले से लागू हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सभी 91 याचिकाओं पर सुनवाई अब 15 जुलाई से प्रतिदिन दोपहर 2:30 बजे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगी।

2019 के फैसले से जुड़ा है विवाद, भर्तियां प्रभावित

यह सभी याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट से वापस हाईकोर्ट भेजी गई हैं। मामला वर्ष 2019 में राज्य सरकार द्वारा ओबीसी आरक्षण 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किए जाने के फैसले से जुड़ा है। इस फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कई भर्ती प्रक्रियाओं में 27 प्रतिशत आरक्षण के लाभ पर अंतरिम रोक लगा रखी है। इससे कई सरकारी भर्तियां और चयन प्रक्रियाएं वर्षों से प्रभावित हैं।

सात साल से लंबित मामले पर टिकी निगाहें: करीब सात साल से लंबित इस विवाद की सुनवाई पर प्रदेश के लाखों अभ्यर्थियों, कर्मचारी संगठनों और राज्य शासन की निगाहें टिकी हैं। आगामी सुनवाई में विशेष पीठ आगे की रूपरेखा, अंतरिम आदेशों और कानूनी पहलुओं पर विचार करेगी। ओबीसी आरक्षण और पदोन्नति में आरक्षण से जुड़े मामलों की सुनवाई में न्यायमूर्ति विनय सराफ कॉमन जज के रूप में भी शामिल रहेंगे।

भोपाल में फर्नीचर शोरूम-गोदाम में भीषण आग, लाखों का सामान खाक

भोपाल (नगर संवाददाता)

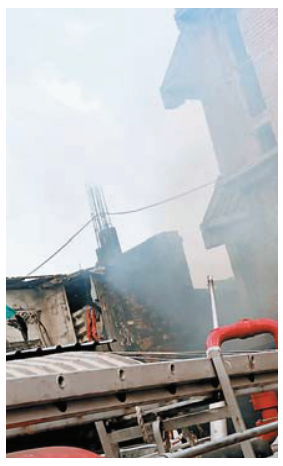

भोपाल के हमीदिया रोड स्थित एक फर्नीचर शोरूम और गोदाम में मंगलवार सुबह भीषण आग लग गई। इससे लाखों रुपये कीमत के सोफा, बेड-अलमारी समेत अन्य सामान जलकर राख हो गया।

फर्नीचर शोरूम में आग सुबह करीब 5.30 बजे लगी, जो सुबह साढ़े 10 बजे तक बुझाई जा सकी। इस तरह करीब 5 घंटे में आग पर काबू पाया जा सका। फतेहगढ़, बोगदा पुल, कबाड़खाना, बैरागढ़ और गांधीनगर से दमकलें मौके पर पहुंचीं।

दमकल विभाग के अनुसार दमकलों और टैंकरों के माध्यम से पानी डालकर आग काबू में की गई। आग लगने की वजह साफ नहीं हो पाई है। हालांकि, प्रारंभिक जांच में शार्ट सर्किट की वजह से आग लगना सामने आया है। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

कलेक्टर जन सुनवाई में पहुंची राजधानी की सबसे महंगी जमीन के फर्जीवाड़े की शिकायत

अधिकारियों मिलीभगत से 300 करोड़ की जमीन का फर्जी नामांतरण!

210 आवेदनों में उठे भ्रष्टाचार और अवैध उत्खनन के मुद्दे

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को हुई जनसुनवाई में कुल 210 आवेदन पहुंचे। एक शिकायत राजधानी की सबसे महंगे क्षेत्र कोहेफिजा की करीब 300 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन का नामांतरण कराकर कथित फर्जीवाड़े की भी पहुंची। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि फर्जी दस्तावेजों और राजस्व रिकॉर्ड में हेरफेर कर करोड़ों रुपये की जमीन का नामांतरण किया गया है। मामले में तहसीलदार, एसडीएम और पटवारी सहित संबंधित अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर नामांतरण निरस्त करने तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

कोहेफिजा निवासी अंसार मोहम्मद खान ने जन सुनवाई में सौंपे आवेदन में आरोप लगाया कि मो. रईस असगरी, अख्तरी रईसा और शब्बर ने एसडीएम, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारियों की मिलीभगत से भोपाल कलेक्टर कार्यालय से 500 मीटर की दूरी पर स्थित करीब 1.50 एकड़ भूमि का वर्ष 2024 में फर्जी दस्तावेजों से नामांतरण करा लिया है। शिकायत में दस्तावेजों, हस्ताक्षरों और राजस्व अभिलेखों में गंभीर विसंगतियों का हवाला देते हुए

रजिस्ट्री, स्कूल और बिजली बिल के मामले भी पहुंचे

जनसुनवाई में रोहित गृह निर्माण सहकारी संस्था से जुड़े 26 वर्ष पुराने प्लॉट की रजिस्ट्री का मामला भी उठा। शिकायतकर्ता ने पूरी राशि जमा होने के बावजूद आज तक रजिस्ट्री नहीं होने की बात कही। वहीं बैरसिया रोड स्थित फिरदौस नगर कॉलोनी के रहवासियों ने आवासीय भवन में संचालित निजी स्कूल से यातायात बाधित होने और नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। इतवारा रोड स्थित ताज ग्राफिक्स के संचालक मो. अजीम ने सामान्य मीटर होने के बावजूद अधिक बिजली बिल भेजने और स्मार्ट मीटर लगाने का दबाव बनाने की शिकायत दर्ज कराई।

खनिज विभाग पर संरक्षण देने का आरोप

कांग्रेस नेता रामभरोसे राठौर ने जनसुनवाई में आवेदन देकर आरोप लगाया कि लगातार शिकायतों के बावजूद क्षेत्र में अवैध उत्खनन जारी है। उन्होंने खनिज विभाग के अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं करने और अवैध खनन करने वालों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए विभागीय जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की।

पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की गई।

दानिश हिल्स में सरकारी जमीन पर अवैध उत्खनन का आरोप: दानिश हिल्स क्षेत्र के रहवासियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया कि अकबरपुरा स्थित शासकीय भूमि पर बिना अनुमति जेसीबी और पोकलेन मशीनों से पहाड़ों की कटाई, बड़े पैमाने पर उत्खनन और प्लॉटिंग की जा रही है। उनका कहना है कि इससे सैकड़ों पेड़ नष्ट हो रहे हैं और वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास प्रभावित हो रहा है। रहवासियों ने सीमांकन कर अवैध गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने, एफआईआर दर्ज करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शॉप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल तथा ए-95 कस्तूरबा नगर भोपाल मप्र से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा। फोन: 7898826680